हिन्दी दैनिक

पथ प्रवाह

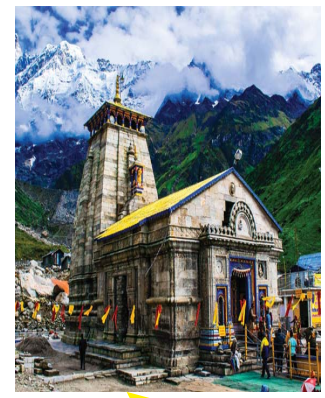

RNI No.: UTTHIN/2011/39282

हर खबर पर पैनी नजर

वर्ष:5 अंक:05 पृष्ठ:08 मुल्य:1 रूपये | pathpravah.com | हरिद्वार, गुरूवार, 08 जनवरी 2026

हरिद्वार में लोहड़ी पर्व पर राज्यपाल ने दी संस्कृति और राष्ट्रवाद की प्रेरणा

पथ प्रवाह, हरिद्वार

राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल (से नि) गुरमीत सिंह ने हरिद्वार में पंजाबी समाज द्वारा आयोजित 26वें लोहड़ी कार्यक्रम में प्रतिभाग किया और उपस्थित जनसमुदाय को लोहड़ी की शुभकामनाएं देते हुए देश और प्रदेश की खुशहाली की कामना की।

राज्यपाल ने अपने संबोधन में कहा कि लोहड़ी पर्व न केवल फसल के उत्पादन और नए वर्ष की खुशियों से जुड़ा उत्सव है, बल्कि यह सांस्कृतिक चेतना, मांगलिक आशीर्वाद और जन सरोकारों का पर्व भी है। उन्होंने कहा कि यह पर्व मानवता में ऊर्जा का संचार करता है और समाज में भाईचारे, समरसता और बंधुत्व की भावना को मजबूत बनाता है।

उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा भारत की सांस्कृतिक विविधता को 'अनेकता में एकता' के रूप में परिभाषित करने का उल्लेख करते हुए कहा कि लोहड़ी पर्व इस सांस्कृतिक विविधता का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। राज्यपाल ने पंजाबी समाज की लोक कला, संगीत और उत्साह की सराहना की, जो विश्व स्तर पर अपनी अनोखी ऊर्जा और मधुरता के लिए प्रसिद्ध है। उन्होंने कोविड-19 महामारी के समय पंजाबी समाज द्वारा किए गए मानव सेवा कार्यों की भी प्रशंसा की और कहा कि गुरु परंपरा के अनुसार यह समाज हमेशा दूसरों के दुख में सहभागी रहता है।

राज्यपाल ने कहा कि गुरु ने सभी मनुष्यों की उत्पत्ति एक ही पुंज से बताई है, इसलिए सभी को सहिष्णुता, प्रेम और सद्भावना के साथ जीवन यापन करना चाहिए। उन्होंने उपस्थित लोगों से राष्ट्र प्रथम की भावना के साथ समाज और देश के कल्याण के लिए समर्पित होकर कार्य करने की अपील की और प्रधानमंत्री मोदी के 2047 के विकसित भारत विजन को साकार करने के लिए प्रेरित किया।

इस अवसर पर सांसद त्रिवेंद्र सिंह रावत, विधायक मदन कौशिक, प्रदीप बत्रा, आदेश चौहान, मेयर किरण जैसल, रुड़की से अनीता अग्रवाल, सुनील सैनी, विश्वास डाबर, पंजाबी महासभा के अध्यक्ष प्रवीन कुमार, जिलाधिकारी मयूर दीक्षित, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक प्रमेन्द्र सिंह डोभाल सहित बड़ी संख्या में जनमानस उपस्थित था। कार्यक्रम में सामूहिक उल्लास और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने माहौल को और भी जीवंत बना दिया।

आर्थिक वृद्धि 7.4 प्रतिशत रहने, जीडीपी के पहली बार 200 लाख करोड़ को पार करने का अनुमान

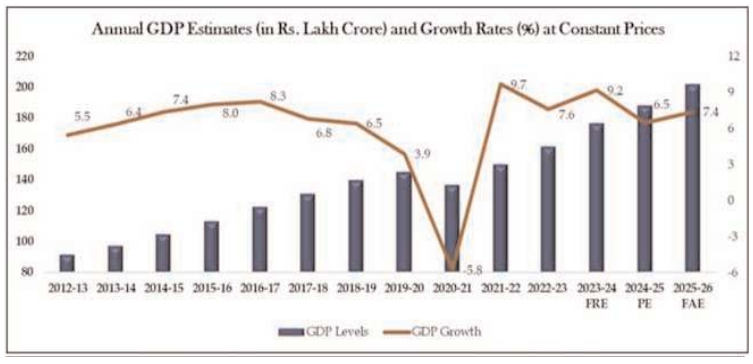

नयी दिल्ली। सेवा क्षेत्र के मजबूत प्रदर्शन और घरेलू उपभोग तथा निवेश की मांग के समर्थन से चालू वित्त वर्ष में सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की विकास दर 7.4 प्रतिशत रहने और इसके पहली बार 200 लाख करोड़ के पार पहुंचने की संभावना है।

राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) ने बुधवार को इस साल 31 मार्च को समाप्त होने वाले वित्त वर्ष 2025-26 के लिए जीडीपी का पहला अग्रिम अनुमान जारी किया। इसमें कहा गया है कि चालू वित्त वर्ष में जीडीपी 201.90 लाख करोड़ रुपये पर रहने का अनुमान है। पहली बार ऐसा होगा कि जीडीपी 200 लाख करोड़ रुपये के आंकड़े को छुएगा।

इस तरह चालू वित्त वर्ष में भी भारत विश्व की सबसे तेजी से वृद्धि कर रही अर्थव्यवस्था बना रहेगा।

आम बजट से पहले जारी अनुमानों के अनुसार, इस वर्ष पूंजी निर्माण में 7.8 प्रतिशत और निजी खपत में सात प्रतिशत की वृद्धि की संभावना है।

अनंतिम आंकड़ों के अनुसार, वित्त वर्ष 2024-25 में 6.5 प्रतिशत की वृद्धि के साथ जीडीपी 187.97 लाख करोड़ रुपये था।

उल्लेखनीय है कि चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में जीडीपी में 7.8 प्रतिशत और दूसरी तिमाही में 8.2 प्रतिशत की वृद्धि हुई थी। रिजर्व बैंक ने पूरे वित्त वर्ष में विकास दर 7.3 प्रतिशत रहने का अनुमान जताया है।

भू-राजनैतिक चुनौतियों, अमेरिका द्वारा 50 प्रतिशत आयात शुल्क लगाने और रुपये के ऐतिहासिक निचले स्तर तक उतरने के बावजूद यह वृद्धि दर वास्तव में देश की अर्थव्यवस्था की मजबूती को दर्शाता है।

सरकार के उपभोग बढ़ाने के उपायों का असर भी अर्थव्यवस्था पर देखा जा रहा है। सरकार ने इसके लिए आयकर में छूट की सीमा बढ़ाकर 12 लाख रुपये सालाना कर दी है। साथ ही ज्यादातर सामानों पर वस्तु एवं सेवा कर की दरों में 22 सितंबर से कटौती की गयी है।

जीडीपी की अनुमानित वृद्धि में सेवा क्षेत्र का सबसे अधिक योगदान है। एनएसओ की रिपोर्ट में कहा गया है कि चालू वित्त वर्ष में सेवा क्षेत्र में 9.1 प्रतिशत की दर से वृद्धि होगी। वहीं, द्वितीयक क्षेत्र यानी विनिर्माण के 6.6 प्रतिशत और प्राथमिक क्षेत्र यानी कृषि, वानिकी, पशुपालन तथा खनन के 2.7 प्रतिशत की दर से बढ़ने की उम्मीद है।

वित्त वर्ष के दौरान सरकारी खपत के 5.2 प्रतिशत बढ़कर 17,96,419 करोड़ रुपये पर पहुंचने की संभावना है जो जीडीपी का 8.9 प्रतिशत होता है। यह लगातार दूसरा साल होगा जब जीडीपी में सरकारी खपत के हिस्से में कमी आयेगी। यह 2023-24 में 9.5 प्रतिशत और पिछले वित्त वर्ष 2025-26 में 9.1 प्रतिशत रहा था। निजी खपत भी सात प्रतिशत बढ़ने के बावजूद जीडीपी में उसकी हिस्सेदारी 56.5 प्रतिशत से घटकर 56.3 प्रतिशत रह जायेगी। अनुमान है कि 2025-26 में निजी खपत 1,13,67,565 करोड़ रुपये रहेगी। पूंजी निर्माण के 7.8 प्रतिशत बढ़कर 68,28,576 करोड़ रहने की संभावना है।

मोदी और नेतन्याहू ने रणनीतिक साझेदारी को मजबूत करने तथा गाजा शांति योजना पर बात की

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के साथ भारत- इजरायल रणनीतिक साझेदारी को मजबूत करने के तरीकों और गाजा शांति योजना पर चर्चा की। बातचीत के बाद श्री मोदी ने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा , ' मुझे अपने मित्र, प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू से बात करके और उन्हें तथा इज़राइल के लोगों को नववर्ष की शुभकामनाएं देकर प्रसन्नता हुई। हमने आने वाले वर्ष में भारत-इज़राइल रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करने के तरीकों पर चर्चा की।

हमने क्षेत्रीय स्थिति पर भी विचारों का आदान-प्रदान किया और आतंकवाद के खिलाफ और अधिक दृढ़ संकल्प के साथ लड़ने के अपने साझा संकल्प की एक बार फिर पुष्टि की। '

प्रधानमंत्री कार्यालय ने बताया कि श्री

नेतन्याहू ने श्री मोदी के साथ बातचीत के लिए टेलीफोन किया था। बातचीत के दौरान दोनों नेताओं ने गर्मजोशी के साथ नववर्ष की शुभकामनाओं का आदान प्रदान किया और दोनों देशों के लोगों के लिए शांति और समृद्धि की कामना की। उन्होंने साझा लोकतांत्रिक मूल्यों, गहरे आपसी विश्वास और दूरदर्शी दृष्टिकोण के मार्गदर्शन में आने वाले वर्ष में भारत-इज़राइल रणनीतिक साझेदारी को और सुदृढ़ करने के लिए साझा प्राथमिकताओं की पहचान की। उन्होंने आतंकवाद के सभी रूपों और अभिव्यक्तियों को कतई बर्दाश्त नहीं करने की नीति को दोहराया और इस खतरे के खिलाफ लड़ने की अपनी प्रतिबद्धता की फिर से पुष्टि की। प्रधानमंत्री नेतन्याहू ने श्री मोदी को गाजा शांति योजना के कार्यान्वयन के बारे में जानकारी दी। श्री मोदी ने क्षेत्र में न्यायपूर्ण और स्थायी शांति की दिशा में प्रयासों के लिए भारत के निरंतर समर्थन की पुष्टि की। दोनों नेताओं ने आपसी हित के क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर भी विचारों का आदान-प्रदान किया। उन्होंने संपर्क में बने रहने पर भी सहमति व्यक्त की।

'समुद्र प्रताप' से रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की दिशा में छलांग के साथ-साथ सुरक्षा व्यवस्था को मिली मजबूती: मोदी

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारतीय तटरक्षक पोत (आईसीजीएस) 'समुद्र प्रताप' को बल के बेड़े में शामिल किये जाने को भारत के समुद्री सफ़र में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि बताते हुए कहा है कि इससे समुद्री क्षमताओं के क्षेत्र में देश का आत्मनिर्भरता का विजन और मजबूत हुआ है। श्री मोदी ने रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के सोशल मीडिया पोस्ट पर प्रतिक्रिया करते हुए कहा है कि इससे देश की सुरक्षा व्यवस्था को मजबूती मिलती है। प्रधानमंत्री ने कहा कि इस पोत के बल के बेड़े में शामिल होना रक्षा और समुद्री क्षमताओं के क्षेत्र में देश के आत्मनिर्भर भारत के विज़न को और सुदृढ़ करता है। उन्होंने कहा कि इससे देश की सुरक्षा व्यवस्था को मजबूती मिलती है, तटीय निगरानी सशक्त होती है और भारत के व्यापक समुद्री हितों की सुरक्षा सुनिश्चित होती है। साथ ही, इसमें पर्यावरण-अनुकूल संचालन सुनिश्चित करने के लिए आधुनिक प्रौद्योगिकियों के समावेशन से

स्थायित्व के प्रति मजबूत प्रतिबद्धता भी परिलक्षित होती है।

श्री मोदी ने कहा , ' 'भारतीय तटरक्षक पोत (आईसीजीएस) 'समुद्र प्रताप' की कमीशनिंग हमारे आत्मनिर्भरता के दृष्टिकोण को मजबूती देने, हमारी सुरक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ करने और स्थायित्व के प्रति हमारी वचनबद्धता को प्रतिबिंबित करने आदि सहित अनेक कारणों से उल्लेखनीय है। 'उल्लेखनीय है कि रक्षा मंत्री ने हाल ही में एक कार्यक्रम में प्रदूषण नियंत्रण समुद्री पोत को राष्ट्र को समर्पित किया था।

एक नजर

सनातन परंपरा व मानवतावादी शिक्षा को लेकर हो रहा महत्वपूर्ण कार्य: विनय शंकर पांडे

पथ प्रवाह, हरिद्वार। वैरागी द्वीप स्थित शताब्दी समारोह स्थल पर संचार क्रांति के एक नए युग का सूत्रपात करते हुए अत्याधुनिक तकनीकी सुविधाओं से सुसज्जित इलेक्ट्रॉनिक मीडिया विभाग का अनावरण हुआ। गढ़वाल कमिश्नर विनय शंकर पांडे, आईजी गढ़वाल राजीव स्वरूप, जिलाधिकारी मयूर दीक्षित व देव संस्कृति विवि के प्रतिकुलपति डॉ. चिन्मय पण्ड्या आदि ने फीता काटकर इसका अनावरण किया। इस अवसर पर गढ़वाल कमिश्नर विनय शंकर पांडे ने कहा कि शांतिकुंज द्वारा आयोजित हो रहे यह आयोजन न केवल हरिद्वार बल्कि पूरे प्रदेश के लिए गौरव का विषय है। सनातन परंपरा व मानवतावादी शिक्षा को लेकर महत्वपूर्ण कार्य हो रहा है। आयोजन की विराट्ता व भव्यता को देखते हुए प्रशासन की भी जिम्मेदारी है। आयोजन अच्छा व सफल हो, इसी उद्देश्य से हम लोग आये थे। शताब्दी समारोह के दलनायक डॉ चिन्मय पण्ड्या ने कहा कि हाई-टेक संसाधनों और अत्याधुनिक तकनीकी सुविधाओं से लैस यह मीडिया केंद्र आगामी समय में सूचनाओं के त्वरित, सटीक और प्रभावी आदान-प्रदान का एक सशक्त माध्यम सिद्ध होगा। यह विभाग न केवल शताब्दी समारोह की गतिविधियों को विश्व पटल पर प्रभावी रूप से प्रस्तुत करेगा, बल्कि आधुनिक पत्रकारिता एवं डिजिटल संचार के मानकों को भी नई ऊँचाइयों तक ले जाएगा। समारोह स्थल पर स्थापित यह इलेक्ट्रॉनिक मीडिया विभाग सूचना प्रवाह को गति देने के साथ-साथ कार्यक्रम की गरिमा के अनुरूप राष्ट्रीय एवं वैश्विक कवरेज सुनिश्चित करेगा। निरीक्षण के दौरान प्रशासनिक अधिकारियों ने इसकी कार्यप्रणाली की सराहना करते हुए इसे सुदृढ़ सूचना तंत्र की एक अनिवार्य कड़ी बताया। यह केंद्र भविष्य में पारदर्शिता, विश्वसनीयता और त्वरित संप्रेषण के क्षेत्र में एक निर्णायक आधार बनेगा। शताब्दी समारोह के दिव्य संदेश को वैश्विक स्तर पर प्रसारित करने तथा गुरुदेव के संकल्पों को जन-जन तक पहुँचाने में यह इलेक्ट्रॉनिक मीडिया विभाग एक ऐतिहासिक उत्प्रेरक की भूमिका निभाएगा। इस दौरान एसपी क्राइम जितेंद्र मेहरा, एचआरडीए सचिव मनीष कुमार तथा अपर कुंभ मेला अधिकारी दयानंद सरस्वती, शांतिकुंज व्यवस्थापक योगेन्द्र गिरि मुख्य रूप से मौजूद रहे। ने समारोह स्थल का निरीक्षण किया। इस दौरान अतिथियों को गायत्री माता की दिव्य चित्र आदि भेंट किये गए।

गंगनहर किनारे सिंचाई विभाग की जमीन पर बनी अवैध मजार ध्वस्त करायी

पथ प्रवाह, हरिद्वार। जनपद हरिद्वार के पिरान कलियर क्षेत्र में पीपल चौक गंगनहर किनारे उत्तर प्रदेश के सिंचाई विभाग की जमीन पर बनी अवैध मजार को बुधवार को प्रशासन ने भारी पुलिस फोर्स की मौजूदगी में ध्वस्त कर दिया। धामी सरकार के निर्देश पर अब तक ऐसी 572 अवैध संरचनाओं को हटाया जा चुका है जोकि सरकारी भूमि पर कब्जे कर बनाई गई थी। जिलाधिकारी मयूर दीक्षित के अनुसार रुड़की पिरान कलियर क्षेत्र में गंगा घाट की सरकारी भूमि पर कब्जा कर अवैध रूप से अवैध धार्मिक संरचना का निर्माण कार्य किया गया था। जिसे लेकर प्रशासन की ओर से एक माह पहले नोटिस दिए की कारवाई की गई थी, समय अवधि पूर्ण होने की दशा में उक्त अवैध संरचना को हटा दिया गया। प्रशासन ने भारी पुलिस बल की मौजूदगी मे उक्त अवैध संरचना को हटाए। रुड़की के प्रशासनिक मजिस्ट्रेट के नेतृत्व में सिंचाई विभाग की टीम ने उक्त कार्रवाई को अंजाम दिया। कार्रवाई के दौरान क्षेत्र में तनाव की स्थिति भी पैदा हुई, लेकिन प्रशासन ने विरोध करने वाले तत्वों को तितर बितर कर दिया। तनाव की आशंका को देखते हुए जिला प्रशासन ने पहले से भारी संख्या में पुलिस फोर्स की तैनाती की हुई थी। जिलाधिकारी के अनुसार स्थिति पूरी तरह नियंत्रण में है और सरकारी जमीन पर अवैध कब्जे को हटाने के लिए जेसीबी के साथ-साथ बड़ी संख्या में मजदूरों को भी लगाया गया। धामी सरकार अब तक ऐसी 572 अवैध संरचनाओं को हटा चुकी है जोकि सरकारी भूमि पर कब्जे कर बनाई गई थी।

सड़क हादसे में डाक विभाग के कर्मचारी की मौत के मामले में मुकदमा

पथ प्रवाह, हरिद्वार। ज्वालापुर क्षेत्र में हुए दर्दनाक सड़क हादसे में हरिद्वार पोस्ट ऑफिस में कार्यरत कर्मचारी की मौत के मामले में मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस ने फरार ट्रक चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के मुताबिक रुड़की के न्यू आदर्श नगर निवासी अभिवन राजवंशी ने कोतवाली ज्वालापुर में दी गई तहरीर में बताया कि उनका छोटा भाई वैभव कुमार हरिद्वार स्थित पोस्ट ऑफिस में कर्मचारी के पद पर कार्यरत था। मंगलवार सुबह करीब नौ बजे वह अपने आवास से मोटरसाइकिल द्वारा ड्यूटी के लिए हरिद्वार की ओर रवाना हुआ था। जैसे ही वह भूमानंद अस्पताल के समीप पहुंचा, पीछे से आ रहे एक तेज रफ्तार ट्रक ने उसकी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि वैभव कुमार सड़क पर गिर पड़े और ट्रक के पहियों की चपेट में आ गए। गंभीर चोटें लगने के कारण उन्होंने मौके पर ही दम तोड़ दिया। हादसे के बाद ट्रक चालक वाहन सहित मौके से फरार हो गया, जिससे लोगों में आक्रोश फैल गया। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा।

गंगनहर से अज्ञात व्यक्ति का शव बरामद, शरीर पर गहरे चोट के निशान

पथ प्रवाह, हरिद्वार। हरिद्वार में गंगनहर में एक अज्ञात व्यक्ति का शव मिलने से इलाके में हड़कंप मच गया। शव की सूचना मिलते ही सिविल लाइन कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची और तुरंत रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया गया। पुलिस ने गोताखोरों और जलवीर मोनू की मदद से शव को गंगनहर से बाहर निकलवाया। इसके बाद शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए रुड़की के सिविल अस्पताल भेज दिया गया है।

प्राथमिक जांच में मृतक के चेहरे और शरीर पर गहरे चोट के निशान पाए गए हैं, जिससे हत्या की आशंका और भी गहरा गई है। फिलहाल शव की शिनाख्त नहीं हो पाई है। पुलिस आसपास के थानों में दर्ज गुमशुदगी की रिपोर्ट खंगाल रही है और स्थानीय लोगों से शव की पहचान कराने की अपील कर रही है।

शव मिलने की खबर फैलते ही मौके पर लोगों की भारी भीड़ जमा हो गई, जिससे क्षेत्र में दहशत का माहौल बन गया। गौरतलब है कि इससे पहले भी आसफनगर झाल गंगनहर क्षेत्र में संदिग्ध परिस्थितियों में कई शव मिल चुके हैं, जिससे सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े हो रहे हैं। फिलहाल पुलिस पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार कर रही है। रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के सही कारणों का खुलासा हो सकेगा। पुलिस हर पहलू से मामले की जांच में जुटी हुई है। मोनू जलवीर (गोताखोर) ने बताया कि हमें पुलिस की तरफ से सूचना मिली थी। मौके पर पहुंचकर गंगनहर में तलाशी ली गई। काफी मशक्कत के बाद शव को बाहर निकाला गया। शव पर चोट के निशान साफ नजर आ रहे थे।

बाइक राइडर्स और ड्राइवरों को किया सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक

पथ प्रवाह, हरिद्वार। सड़क सुरक्षा को लेकर एनएचएआई की टीम ने बाइक राइडर्स और ट्रक ड्राइवरों को जागरूक करने के लिए अभियान चलाया। बहादराबाद टोल प्लाजा पर चलाए गए अभियान के दौरान यातायात के नियमों का पालन करते हुए सुरक्षित ड्राइविंग पर जोर दिया गया।

अधिशासी अभियन्ता एनएचएआई अतुल शर्मा ने बताया कि 37वें राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह गतिविधियों के अंतर्गत बुधवार को बाइक राइडर्स और ड्राइवर्स के लिए एक व्यापक सड़क सुरक्षा जागरूकता सत्र एनएचएआईटी साउथर्न प्रोजेक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड के बहादराबाद टोल प्लाजा पर आयोजित किया गया।

सत्र में सुरक्षित ड्राइविंग के लिए ड्राइवर्स और राइडर्स की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर दिया गया। इसमें सुरक्षित गति और उचित फॉलोइंग दूरी बनाए रखने की सलाह दी गई। लेन अनुशासन एवं सुरक्षित ओवरटेकिंग पर जोर दिया गया। डिफेंसिव ड्राइविंग तकनीक का इस्तेमाल करने की सलाह दी गई। हेलमेट का सही एवं अनिवार्य उपयोग करने पर बाइक राइडर्स को जागरूक किया गया। थकान, शराब सेवन और मोबाइल फोन के उपयोग से बचाव के लिए कहा गया। यातायात नियमों का कड़ाई से पालन करने पर जोर दिया गया। चालकों से कहा कि उन्हें सड़क संकेत बोर्ड और मार्किंग की सही जानकारी होनी चाहिए। इससे यात्रा के दौरान होने वाली दुर्घटनाओं से बचा जा सकता है। दुर्घटना की स्थिति में आपातकालीन हेल्पलाइन नंबरों का उपयोग करने के लिए हेल्पलाइन नंबरों के बारे में जानकारी दी गई। इस दौरान वाहनों के पीछे रिफ्लेक्टिव स्टिकर लगाए गए और सड़क सुरक्षा पंपलेट वितरित किए गए।

कारोबारी को धमकी देने वाला हिस्ट्रीशीटर लक्सर पुलिस की गिरफ्त में

पथ प्रवाह, हरिद्वार। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक हरिद्वार की अपराध के प्रति जीरो टॉलरेंस नीति के तहत कोतवाली लक्सर पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने कारोबारी को तमंचा दिखाकर धमकी देने और तोड़फोड़ करने वाले कुख्यात हिस्ट्रीशीटर को अवैध हथियार के साथ गिरफ्तार कर लिया है।

पुलिस के अनुसार 31 दिसंबर 2025 को केशवनगर लक्सर निवासी कारोबारी सुशील कुमार ने तहरीर देकर बताया था कि 30 दिसंबर को सचिन पुत्र ओमकार निवासी केशवनगर पूर्वी उसकी दुकान पर आया और तमंचा दिखाकर गाली-गलौच करते हुए तोड़फोड़ की तथा जान से मारने की धमकी दी। मामले की गंभीरता को देखते हुए कोतवाली लक्सर में संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया। घटना के बाद से फरार चल रहे आरोपित की गिरफ्तारी के लिए प्रभारी निरीक्षक राजीव रोथान के नेतृत्व में अलग-अलग पुलिस टीमें गठित की गईं। पुलिस ने ठोस सुरागरसी और पतारसी के आधार पर आरोपित सचिन को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी के कब्जे से घटना में प्रयुक्त एक तमंचा और एक जिंदा कारतूस भी बरामद किया गया। पुलिस के मुताबिक गिरफ्तार आरोपित सचिन के खिलाफ हत्या के प्रयास, लूट, आर्म्स एक्ट, चोरी और मारपीट समेत एक दर्जन से अधिक आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं। पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार आरोपी लंबे समय से क्षेत्र में दहशत का पर्याय बना हुआ था। कोतवाली प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि अपराधियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई के निर्देश वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा दिए गए हैं। लक्सर क्षेत्र में किसी भी प्रकार की आपराधिक गतिविधि को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। आरोपी एक हिस्ट्रीशीटर है, जिसके खिलाफ पूर्व में कई गंभीर मुकदमे दर्ज हैं। जनता की सुरक्षा हमारी प्राथमिकता है और अपराधियों के खिलाफ अभियान आगे भी जारी रहेगा। पुलिस टीम में उप निरीक्षक विपिन कुमार, हेड कांस्टेबल शमशेर खां, कांस्टेबल मनोज शर्मा और होमगार्ड इमरान शामिल रहे।

सोशल मीडिया पर रसूख दिखाना पड़ा भारी, पुलिस ने पहुंचाया हवालात

पथ प्रवाह, हरिद्वार। सोशल मीडिया पर रसूख दिखाना एक युवक को उस वक्त भारी पड़ गया जब, रील बनाने के लिए उसने फायरिंग का वीडियो वायरल किया। युवक की फायरिंग कर रौब दिखाने की वीडियो वायरल होने के बाद पुलिस हरकत में आयी थी। युवक की पहचान कर पुलिस ने अब ये कार्रवाई की है। पुलिस के मुताबिक 06.01.2026 की रात्रि को कोतवाली रुड़की पुलिस द्वारा दौराने गश्त रेलवे पुल (मंगलौर मार्ग) के पास एक संदिग्ध व्यक्ति पुलिस दबोच कर अवैध देशी तमंचा और कारतूस बरामद किया गया। कुछ दिन पूर्व ही अभियुक्त का सोशल मीडिया पर फायरिंग का वीडियो भी वायरल हुआ था। जिसका संज्ञान लेते हुए हरिद्वार पुलिस द्वारा आरोपी की तलाश में जुटी थी। अभियुक्त के विरुद्ध कोतवाली रूडकी पर मुकदमा दर्ज किया गया। पुलिस ने आरोपी का नाम अमन बाल्मिकी पुत्र संजय निवासी रतन का पूरवा डबल फाटक मोहनपुरा थाना कोतवाली रुड़की बताया है।

एक नजर

चेकिंग के दौरान सिडकुल पुलिस ने पकड़ा संदिग्ध, तमंचा बरामद

पथ प्रवाह, हरिद्वार। जिलेभर में चलाये जा रहे चेकिंग अभियान के दौरान सिडकुल पुलिस ने एक संदिग्ध को गिरफ्तार किया है। उसके पास से पुलिस को एक तमंचा और कारतूस बरामद हुआ है। पुलिस ने आर्म्स एक्ट में अभियोग पंजीकृत कर कार्रवाई की है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जनपद हरिद्वार के आदेशानुसार जिले भर में लगातार चेकिंग अभियान चलाने हेतु समस्त प्रभारियों को निर्देशित किया गया है। थाना सिडकुल क्षेत्रान्तर्गत संदिग्ध व्यक्तियों/वाहनों की चेकिंग अभियान चलाया जा रहा था। इसी क्रम में सिडकुल पुलिस द्वारा दौराने चेकिंग एक संदिग्ध व्यक्ति को रोका गया। जांच के दौरान संदिग्ध के कब्जे से एक अदद अवैध तमंचा 315 बोर एवं एक अदद जिन्दा कारतूस बरामद किया गया। बरामदगी के आधार पर आरोपित के विरुद्ध थाना सिडकुल पर मुकदमा अपराध संख्या 06/2026, आर्म्स एक्ट के अंतर्गत अभियोग पंजीकृत कर अग्रिम विधिक कार्यवाही अमल में लाई जा रही है। अंजुल पुत्र कुर्बान निवासी धर्म कांटा की मस्जिद के निकट, यूनियन बैंक, रावली महदूद, थाना सिडकुल, जनपद हरिद्वार है।

बहुउद्देशीय शिविर में 768 लोगों को मिला योजना का लाभ, 85 शिकायतों का निस्तारण

पथ प्रवाह, हरिद्वार। अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व दीपेंद्र सिंह नेगी की अध्यक्षता में विकासखंड लक्सर के न्याय पंचायत निरंजनपुर राजकीय इंटर कॉलेज निरंजनपुर में आयोजित शिविर में संचालित जन कल्याणकारी योजनों से 768 क्षेत्रवासियों को लाभान्वित किया गया। विभिन्न विभागों के माध्यम से 1252 लोगों को विभिन्न प्रमाण पत्र निर्गत किए गए। इस शिविर में 2655 लोगों द्वारा किया गया प्रतिभाग। शिविर ने क्षेत्रवासियों द्वारा विभिन्न विभागों से संबंधित 98 समस्याएं दर्ज कराई गई, जिसमें 85 समस्याओं का मौके पर निस्तारण किया गया,शेष समस्याओं को त्वरित निस्तारण हेतु संबंधित विभागों को प्रेषित किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राज्य सभा डॉ सासंद कल्पना सैनी ने कहा कि प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के निर्देशान में प्रदेश के सभी न्याय पंचायतों में सरकार जन जन के द्वार शिविर आयोजित करते हुए केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा संचालित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पात्र व्यक्तियों को उपलब्ध कराया जा रहा है। उन्होंने कहा कि सरकार संवेदनशीलता के साथ कार्य कर रही है। ग्रामीणों की जो भी समस्याएं है उनका आयोजित शिविर के माध्यम से एक ही स्थान पर निराकरण किए जा रहा है। उन्होंने जनप्रतिनिधियों से भी अपील की है कि जन जन की सरकार जन जन के द्वार जो भी कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे है उनका सभी अपने अपने क्षेत्रों में व्यापक प्रचार प्रसार करे,जिससे कि अधिक से अधिक ग्रामीणों को इसकी जानकारी हो सके तथा वह इन शिविरों का लाभ उठा सके। अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व दीपेंद्र सिंह नेगी ने संबंधित अधिकारियों को कहा कि जिन शिकायतों का जन जन की सरकार जन जन के द्वार कार्यक्रम में निस्तारित नहीं हो पाया है उन शिकायतों का तत्परता से निराकरण करना सुनाश्चित करे। शिविर में राज्य मंत्री शोभाराम प्रजापति, पूर्व विधायक संजय गुप्ता, उप जिलाधिकारी सौरभ असवाल, खंड विकास अधिकारी प्रवीण भट्ट सहित क्षेत्र के समस्त ग्राम प्रधानगण, पंचायत सदस्यगण, अधिकारी व कर्मचारीगण और बड़ी संख्या में स्थानीय लोग मौजूद रहे।

कंपनी में निवेश के नाम पर लाखों की ठगी, मुकदमा दर्ज

पथ प्रवाह, हरिद्वार। पथरी थाना क्षेत्र में निवेश कंपनी के नाम पर लोगों से लाखों रुपये की ठगी किए जाने का मामला सामने आया है। बताया जा रहा है ?कि निवेश करने पर दोगुना लाभ दिलाने का लालच देकर रकम हड़प ली गई। जब पीड़ितों ने अपने पैसे वापस मांगे तो उन्हें जान से मारने की धमकी दी गई। पुलिस ने तहरीर के आधार पर धोखाधड़ी का मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। फेरूपुर रामखेडा निवासी रघुनाथ सक्सेना पुत्र अनिल कुमार और गोविन्दगढ़ निवासी रवि कुमार ने पुलिस को दी अपनी शिकायत में बताया कि करीब दो वर्ष पहले उनकी मुलाकात रावली महदूद निवासी ओम सिंह से हुई थी। ओम सिंह ने अपने साले शक्ति सिंह से परिचय कराते हुए बताया कि वह एक निवेश कंपनी 'विनर विजन ग्लोबल' से जुड़ा हुआ है और कम समय में रकम दोगुनी करवा सकता है। आरोप है कि भरोसा जीतने के लिए आरोपियों ने जमीन का रजिस्टर्ड एग्रीमेंट भी कराया। झांसे में आकर रघुनाथ सक्सेना ने बैंक से लोन लेकर करीब 12.5 लाख रुपये आरोपियों को दे दिए, जबकि रवि कुमार ने भी अलग-अलग तिथियों में करीब 9.5 लाख रुपये निवेश के नाम पर सौंप दिए। काफी समय बीत जाने के बावजूद न तो निवेश की रकम वापस मिली और न ही किसी तरह का लाभ दिया गया।

अधिकारियों और कर्मचारियों के लिए हरिद्वार में शुरू हुआ तीन दिवसीय आउटरीच प्रशिक्षण

पथ प्रवाह, हरिद्वार। आपदा प्रबंधन तथा कार्यस्थल पर महिलाओं का लैंगिक उत्पीड़न (निवारण, प्रतिषेध एवं प्रतितोष) अधिनियम, 2013 विषयों पर आउटरीच प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन विकास भवन सभागार, हरिद्वार में सफलतापूर्वक किया गया। यह कार्यक्रम डॉ. आर.एस. टोलिया उत्तराखंड प्रशासन अकादमी (श्र), नैनीताल द्वारा हरिद्वार जनपद के जिला स्तरीय अधिकारियों के लिए आयोजित किया गया।

कार्यक्रम में विभिन्न विभागों के कुल 70 अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने प्रतिभाग किया। प्रशिक्षण का उद्देश्य अधिकारियों की क्षमता को आपदा की तैयारी, प्रतिक्रिया तंत्र तथा कार्यस्थल पर लैंगिक समानता एवं सुरक्षा से संबंधित कानूनी प्रावधानों के प्रति सुदृढ़ करना था। कार्यक्रम के शुभारंभ के अवसर पर रागिनी तिवारी, पाठ्यक्रम निदेशक, डॉ.आर.एस.टोलिया उत्तराखंड प्रशासन अकादमी, नैनीताल ने प्रतिभागियों को संबोधित किया। उन्होंने बताया कि यह प्रशिक्षण अकादमी द्वारा आउटरीच मोड में आयोजित किया गया है, ताकि आवश्यकता-आधारित प्रशिक्षण के माध्यम से अधिकतम अधिकारियों तक प्रशिक्षण की पहुँच सुनिश्चित की जा सके। उन्होंने कहा कि यह प्रशिक्षण तीन दिन चलेगा। जिसमें पहले दिन आपदा प्रबंधन एवं महिलाओं के कार्य स्थल पर लैंगिक उत्पीड़न तथा दूसरे दिन सूचना अधिकार अधिनियम तथा तीसरे दिन प्रशासनिक सेवाओं/बजट के संबंध में प्रशिक्षण उपलब्ध कराया जाएगा।

प्रशिक्षण सत्रों में जनपद स्तर पर आपदा तैयारी एवं रोकथाम हेतु की गई पहलों प्रतिक्रिया के लिए आपदा तैयारी एवं प्राथमिक उपचार, तथा लैंगिक अवधारणाओं एवं कार्यस्थल पर महिलाओं के लैंगिक उत्पीड़न अधिनियम, 2013 के विभिन्न प्रावधानों पर विस्तार से चर्चा की गई। सत्रों का संचालन मीरा रावत, जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी, हरिद्वार तथा डॉ. दीपा मेहरा रावत, वरिष्ठ सहायक प्राध्यापक, उच्च शिक्षा, देहरादून द्वारा किया गया। प्रशिक्षण के दौरान केस स्टडी एवं व्यावहारिक अभ्यास भी कराए गए।

कार्यक्रम का समापन मूल्यांकन एवं सत्यापन सत्र के साथ हुआ, जिसमें प्रतिभागियों ने अपने अनुभव एवं सुझाव साझा किए। प्रतिभागियों द्वारा कार्यक्रम को अत्यंत उपयोगी एवं व्यवहारिक बताया गया, जो जिला प्रशासन की क्षमता निर्माण की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल सिद्ध हुआ।

मुंडलाना गोलीकांड का खुलासा, पति—पत्नी और जेठ हिरासत में

पथ प्रवाह, हरिद्वार। मुंडलाना में हुए गोलीकांड का पुलिस ने खुलासा करते हुए पति-पत्नी और जेठ को हिरासत में लिया है। इनके पास से अवैध तमंचे व कारतूस बरामद हुए। पुलिस तीनों के खिलाफ विधिक कार्यवाही कर रही है।

पुलिस के मुताबिक सतीश कुमार, निवासी ग्राम मुंडलाना द्वारा कोतवाली मंगलौर में तहरीर दी गई थी कि तीन व्यक्तियों द्वारा पुरानी आपसी रंजिश के चलते गाली-गलौच करते हुए वादी के घर के ऊपर फायरिंग की गई, जिससे परिवारजनों के जीवन को गंभीर खतरा उत्पन्न हो गया तथा जान से मारने की धमकी दी गई। इस घटना से ग्राम मुंडलाना व आसपास के क्षेत्र में भय का माहौल व्याप्त हो गया था, उक्त व्यक्ति पहले भी लूटपाट प्रकरण में जेल जा चुके हैं। घटना की गंभीरता को देखते हुए वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जनपद हरिद्वार द्वारा तत्काल संज्ञान लेते हुए आरोपियों की शीघ्र गिरफ्तारी के निर्देश दिए गए। निर्देशों के अनुपालन में प्रभारी निरीक्षक, कोतवाली मंगलौर थाना स्तर पर विभिन्न पुलिस टीमों का गठन किया गया। जिसके फलस्वरूप मुकदमे से संबंधित दो अभियुक्त एवं एक आरोपिता (पति-पत्नी सहित) को हिरासत में लिया गया। आरोपियों के कब्जे से अवैध तमंचे व जिंदा कारतूस बरामद किए गए, जिसके आधार पर मुकदमे में नियमानुसार धाराओं की वृद्धि की गई है। अग्रिम विधिक कार्यवाही प्रचलित है। आरोपियों में हर्ष उर्फ बिगड़ा पुत्र बबलू, विशाल पुत्र बबलू निवासीगण मेघा शकरपुर, थाना पुरकाजी, जनपद मुजफ्फरनगर (उ0प्र0) हाल निवासी राजदीप कॉलोनी, सिविल लाइन, मुजफ्फरनगर और हर्ष की पत्नी शामिल है। पुलिस के मुताबिक तीनों से एक एक अवैध तमंचा और एक एक जिंदा कारतूस बरामद हुए हैं। घटना में प्रयुक्त 1 बुलेट मोटरसाइकिल भी पुलिस ने अपने कब्जे में ली है।

उत्तराखंड प्रशासन अकादमी नैनीताल द्वारा आयोजित कार्यशाला में डॉ नरेश चौधरी ने प्राप्त किया प्रशिक्षण

पथ प्रवाह, हरिद्वार। ऋषिकुल राजकीय आयुर्वेद महाविद्यालय के प्रो. डॉ. नरेश चौधरी ने उत्तराखंड आयुर्वेद विश्वविद्यालय एवं इण्डिन रेडक्रास का प्रतिनिधित्व करते हुए उत्तराखंड प्रशासन अकादमी नैनीताल द्वारा आयोजित कार्यशाला में Road Safty Issues and Challenges सड़क सुरक्षा के अंतर्गत समस्याएं एवं चुनौतियों पर सभी विभागों को जन समाज के साथ मिलकर कार्य करना विषय पर प्रशिक्षण प्राप्त किया। डॉ. नरेश चौधरी द्वारा विभिन्न आपदाओं, कुंभ मेलों, जन जागरण अभियानों, विभिन्न सड़क दुर्घटनाओं में घायलों की मदद में उत्कृष्ट कार्य किये गये जिसके लिए डॉ. नरेश चौधरी ने जनपद हरिद्वार एवं उत्तराखंड राज्य का सम्पूर्ण विश्व में गौरव बढाया। 2013 में आयी केदारनाथ की भयानक दैवीय आपदा, कुंभ मेले, सोमवती अमावस्या जैसे वृहद स्नान पर्वों पर आयी मानव जनहित भगदड़ जैसी आपदा तथा कोविड़-19 जैसी प्राकृतिक जैविक आपदा में जो समर्पित होकर उत्कृष्ट किये हैं। डॉ. नरेश चौधरी द्वारा समाजिक सेवा के उल्लेखनीय कार्या किये जाने पर समय समय पर सम्मानित किया जा चुका है। उत्तराखंड आयुर्वेद विश्वविद्यालय के कुल सचिव नरेन्द्र सिंह ने कहा कि विश्वविद्यालय से सम्बद्ध सभी कालेजों के संकाय सदस्यों, कर्मचारियों एवं छात्र-छात्राओं को डॉ. नरेश चौधरी द्वारा दिये गये प्रशिक्षण का लाभ प्राप्त होगा। जिसके अंतर्गत विश्वविद्यालय स्तर पर भी कार्यशालाएं आयोजित की जायेगी। उत्तराखंड आयुर्वेद विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. डॉ. अरुण कुमार त्रिपाठी ने कहा कि डॉ. नरेश चौधरी अपने मूल दायित्वों के निर्वहन के साथ आपदाओं तथा जन जागरूकता अभियानों में भी समर्पित जन समाज सेवा के लिये अग्रणीय रहते हुए विभिन्न कार्यशालाओं, सेमिनार के माध्यम से जो ज्ञान अर्जित करते हैं उक्त ज्ञान एवं अनुभवों से जन समाज में समर्पित होकर प्रचार-प्रसार करते हुए जरूरतमंदों को सीधा जमीनी लाभ मिलता है। उत्तराखंड प्रशासनिक अकादमी के महानिदेशक बी.पी. पाण्डेय, संयुक्त निदेशक डॉ. महेश कुमार, आपदा प्रकोष्ठ प्रभारी डॉ. ओमप्रकाश, कार्यक्रम निदेशक डॉ. मंजू पाण्डे, परिवहन के संयुक्त आयुक्त राजीव मेहरा, पौड़ी गढ़वाल के आरटीओ विमल पाण्डे, मुख्य वैज्ञानिक विनोद करार, टाऊन एवं कंट्री प्लानर पवन कुमार, 108 से यशपाल सिंह ने मुख्य रुप से व्याख्यान दिये। कार्यशाला में विभिन्न जनपदों के परिवहन अधिकारियों, लोक निर्माण विभाग के इंजीनियर एवं पुलिस विभाग के अधिकारियों ने प्रतिभाग किया।

संपादकीय

एंटीबायोटिक दवाओं की पहचान - जरूरत से ज्यादा जरूरी

भारत में एंटीबायोटिक दवाओं का बेतहाशा और गलत इस्तेमाल एक गंभीर स्वास्थ्य संकट बन गया है। अक्सर मरीज बिना डॉक्टर की सलाह के इन दवाओं का सेवन करते हैं, जिससे बैक्टीरिया प्रतिरोधी हो जाते हैं और सामान्य संक्रमण भी खतरनाक रूप ले लेते हैं। हाल ही में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी इस समस्या पर चिंता जताते हुए लोगों से इन दवाओं का इस्तेमाल केवल जरूरत पड़ने पर करने की अपील की।

इस चुनौती से निपटने के लिए केंद्र सरकार ने एक अहम कदम उठाया है। अब एंटीबायोटिक दवाओं को बाजार में अलग पहचान देने की तैयारी है। इसके तहत पैकिंग पर विशेष कोडिंग, रंग संकेत, चेतावनी प्रतीक या क्यूआर कोड जैसी व्यवस्था की जाएगी। इसका मकसद स्पष्ट है - मरीज और फार्मासिस्ट तुरंत यह समझ सकें कि दी जा रही दवा एंटीबायोटिक है या सामान्य पेनकिलर।

यह कदम सिर्फ प्रशासनिक बदलाव नहीं, बल्कि व्यवहारिक सुधार की दिशा में बड़ा कदम है। विशेषज्ञ लंबे समय से चेतावनी दे रहे हैं कि ओवर-द-काउंटर एंटीबायोटिक बिक्री भारत में गंभीर स्वास्थ्य संकट का रूप ले रही है। पैकिंग स्तर पर पहचान आसान होने से जागरूकता बढ़ेगी और दवाओं के अनुचित उपयोग में कमी आएगी।

सरकार ने इसके साथ ही भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद से आम जनता के लिए सरल भाषा में संदेश तैयार करने को कहा है। यह पहल सिर्फ नीति नहीं, बल्कि स्वास्थ्य सुरक्षा का नैतिक और राष्ट्रीय दायित्व है। यदि समय रहते यह कदम सफल होता है, तो हम एंटी माइक्रोबियल रेजिस्टेंस (एएमआर) के खतरे को काफी हद तक कम कर सकते हैं।

एंटीबायोटिक दवाओं की स्पष्ट पहचान अब सिर्फ सुझाव नहीं, बल्कि हमारी सेहत और भविष्य की सुरक्षा के लिए अनिवार्य है।

भारत की वैश्विक परीक्षा का समय

सनत जैन

साल 2026 की शुरूआत के साथ ही भारत उम्मीदों और आकांक्षाओं के पंख फैलाकर विकास की निर्बाध उड़ान उड़ना चाहता है। लेकिन वैश्विक चुनौतियां उसकी राह में बड़ी बाधा बनकर खड़ी हो गई हैं। ऐसे में यह समय भारत के लिए फूंक-फूंककर कर कदम बढ़ाने की जरूरत है। यह भी तभी संभव है, जब भारत की कूटनीति और विदेश नीति सही दिशा में हो। विश्व राजनीति इस समय जिस दिशा में आगे बढ़ रही है, वह भविष्य में और भी जटिल, संघर्षपूर्ण और विकट होने जा रही है। अमेरिका अपनी वैश्विक प्रभुता को बनाए रखने के लिए हर संभव प्रयास कर रहा है। चाहे वह यूरोप की सत्ता समीकरणों के माध्यम से हो या दक्षिण एशिया में रणनीतिक हस्तक्षेप के जरिए। किंतु यह भी उतना ही सत्य है कि अब वह एकध्रुवीय विश्व का युग समाप्त हो चुका है। आज की दुनिया बहुध्रुवीय है, जहां भारत, चीन, रूस, और यूरोपीय संघ जैसे केंद्र अपनी स्वतंत्र और निर्णायक भूमिका निभा रहे हैं। अमेरिका की कोशिश है कि दक्षिण एशिया में वह अपनी पकड़ बनाए रखे, ताकि चीन को घेरा जा सके और भारत को अपने पाले में रखा जा सके। इसके लिए वह ताइवान, जापान, दक्षिण कोरिया, और फिलीपींस जैसे देशों के माध्यम से चीन पर रणनीतिक दबाव बना रहा है। किंतु भारत के लिए यह रास्ता उतना सरल नहीं है जितना दिखाई देता है। यदि भारत ताइवान के साथ मित्रता के सूत्रों को सार्वजनिक रूप से मजबूत करता है, तो निस्संदेह चीन भारत के विरुद्ध अप्रत्यक्ष मोर्चा खोल देगा। साल 2026 की शुरुआत भारत के पड़ोसी देशों के लिए बेहद निर्णायक साबित होने वाली है। बांग्लादेश, पाकिस्तान और नेपाल तीनों देश गहरे राजनीतिक और सामाजिक संकट से गुजर रहे हैं। कहीं चुनाव व्यवस्था सवालों के घेरे में है, कहीं सेना का वर्चस्व बढ़ रहा है और कहीं बेरोजगार और गुस्साई युवा पीढ़ी सड़कों पर है। इन तीनों देशों की अस्थिरता का असर सिर्फ इनके भीतर नहीं, बल्कि सीधे भारत की सुरक्षा, कूटनीति और क्षेत्रीय भूमिका पर पड़ सकता है। ऐसे में भारत की नेबरहुड फर्स्ट पॉलिसी नीति अब तक की सबसे कठिन परीक्षा से गुजरने वाली है। बड़ा सवाल यह है कि भारत के तमाम सहयोग और राहत की नीतियों के बावजूद ये देश चीन और पाकिस्तान की तरफ क्यों झुके जाते हैं, जिनकी नीतियों की वजह से कर्ज और जिहादी आतंक के संकटों से घिर जाते हैं? चीन के अलावा अब ट्रंप और सऊदी का समर्थन मिलने से इतराए पाकिस्तान का उपाय करने के साथ-साथ इस सवाल का हल खोजना शायद भारतीय विदेश नीति की सबसे बड़ी चुनौती होगी। कहने को तो एक साल ही बदला है, पर डोनाल्ड ट्रंप ने जैसी उथल-पुथल मचाई है, उससे लगता है मानो एक युग बदल गया है। नए साल की शुरुआत में ही उन्होंने वेनेजुएला पर धावा बोल दिया। ट्रंप की दुनिया में किसी स्थापित कूटनीतिक परंपरा और अंतरराष्ट्रीय कायदे-कानून की कोई गारंटी नहीं है। यह द्वितीय महायुद्ध के बाद बनी नियमबद्ध व्यवस्था वाली दुनिया से नितांत भिन्न है, जिसके आधार पर भारत की विदेश और व्यापार नीति टिकी है। जिस गुटबाजी से भारत को परहेज था, वह सोवियत संघ के विघटन से टूटी और दुनिया एकध्रुवीय बन गई। भारत ने गुटनिरपेक्षता की जगह हितसापेक्ष स्वायत्तता की नीति अपनाई और खेमेबाजी से दूर रहते हुए अपनी सामरिक एवं आर्थिक शक्ति के विकास के लिए अमेरिका का रणनीतिक और व्यापारिक साझेदार बन गया। भारत से पहले चीन ने भी गुटबाजी छोड़कर अपने सामरिक हितों की रक्षा करते हुए अमेरिका के साथ व्यापारिक साझेदारी की, जिसकी बदौलत आज वह अमेरिका को हर क्षेत्र में चुनौती देने की स्थिति में आ गया है। ट्रंप खुद चीन को जी-2 का दूसरा जी यानी दूसरी महाशक्ति मान चुके हैं। रूस को वे सामरिक महाशक्ति मानते हैं, लेकिन वह वैश्विक शक्ति संतुलन की तीसरी धुरी बनने की स्थिति में नहीं है। यूक्रेन युद्ध और आर्थिक प्रतिबंधों ने उसे चीन के खेमे में पहुंचा दिया है। यानी दुनिया एक बार फिर दो खेमों में बंटती दिख रही है, जबकि भारत बहुपक्षीय व्यवस्था चाहता है। ट्रंप के यूनेस्को, विश्व स्वास्थ्य संगठन और पेरिस जलवायु संधि जैसी वैश्विक संस्थाओं और संधियों से हाथ खींच लेने के कारण उभरती शक्तियों के लिए विश्व मंच पर कुछ जगह जरूर बनी है। हालांकि नियमबद्ध व्यवस्था का स्थान महाशक्तियों की मनमानी ने ले लिया है। अमेरिका का वेनेजुएला पर हमला कर राष्ट्रपति मादुरो को बंधक बनाना, ईरान और नाइजीरिया पर हवाई हमले और ताइवान को डराने के लिए चीन के सैनिक अभ्यास इसके ताजा उदाहरण हैं। महाशक्तियों की मनमानी भारत के लिए चिंताजनक है। भारत चाहता जरूर है कि वैश्विक संस्थाएं अमेरिका और यूरोप के नियंत्रण से मुक्त हों, पर नियमबद्धता की कीमत पर नहीं। वह चाहता है कि वैश्विक संस्थाओं में भारत, ब्राजील, दक्षिण अफ्रीका और जापान जैसी शक्तियों को भी आनुपातिक प्रतिनिधित्व मिले। महाशक्तियों की मनमानी वाली अव्यवस्था में यदि भारत को सुरक्षा परिषद और विश्व बैंक जैसी संस्थाओं में उचित स्थान मिल भी जाए तो उसकी व्यावहारिक उपादेयता क्या रह जाएगी? हकीकत यह है कि भारत को इसी व्यवस्था के भीतर अपनी विदेश नीति के कौशल से अपनी जगह बनानी है।

अदृश्य रफ्तार: क्यों जरूरी है पृथ्वी की निरंतर धुरी पर दौड़?

दिलीप कुमार पाठक

(08 जनवरी पृथ्वी घूर्णन दिवस)

पृथ्वी घूर्णन दिवस हर साल 8 जनवरी को मनाया जाता है, जो हमें हमारे ग्रह की उस निरंतर गति की याद दिलाता है जिसे हम महसूस तो नहीं कर पाते, लेकिन जिसका हमारे जीवन पर गहरा प्रभाव पड़ता है।

यह दिन वैज्ञानिक जिज्ञासा और सत्य की खोज का प्रतीक है, जो सदियों के अंधविश्वास को तोड़कर वैज्ञानिक तथ्यों की स्थापना को समर्पित है। सदियों पहले तक मनुष्य का यह मानना था कि पृथ्वी स्थिर है और सूर्य सहित सभी खगोलीय पिंड इसके चारों ओर चक्कर लगाते हैं। लेकिन विज्ञान की प्रगति के साथ यह स्पष्ट हुआ कि हमारी पृथ्वी न केवल सूर्य की परिक्रमा करती है, बल्कि अपनी धुरी पर भी निरंतर घूमती रहती है। इसी घूर्णन गति के कारण ही पृथ्वी पर दिन और रात का चक्र चलता है, जो जीवन की लय को निर्धारित करता है। इस वैज्ञानिक सत्य की गहराई में जाएं तो हम पाते हैं कि पृथ्वी की यह घूर्णन गति केवल समय का मापदंड नहीं है, बल्कि यह हमारे अस्तित्व का आधार भी है। आज के आधुनिक युग में जब हम 2026 में प्रवेश कर चुके हैं, विज्ञान हमें यह समझने में मदद करता है कि पृथ्वी लगभग 1670 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से घूम रही है। इतनी तीव्र गति के बावजूद हमें झटका महसूस नहीं होता, क्योंकि हम और हमारा वायुमंडल भी इसी गति का हिस्सा हैं। यह घूर्णन ही है जो समुद्र के जल स्तर को संतुलित रखता है और पृथ्वी के गुरुत्वाकर्षण बल के साथ तालमेल बिठाकर हमें धरातल पर टिकाए रखता है। इसके बिना पृथ्वी का आकार भी वैसा नहीं होता जैसा आज हम देखते हैं, क्योंकि घूर्णन के कारण ही यह ध्रुवों पर थोड़ी चपटी और भूमध्य रेखा पर उभरी हुई है।

इस विशेष दिवस का इतिहास फ्रांसीसी भौतिक विज्ञानी लियोन फौकॉल्ट से जुड़ा हुआ है, जिन्होंने 1851 में एक ऐतिहासिक प्रयोग के माध्यम से पृथ्वी के घूमने के प्रमाण प्रस्तुत किए थे। फौकॉल्ट ने पेरिस के पेंथियन की छत से एक लंबा पेंडुलम लटकाया था और दुनिया को यह दिखाया कि समय के साथ पेंडुलम के दोलन की दिशा बदल रही है। यह बदलाव पेंडुलम के कारण नहीं, बल्कि पृथ्वी के अपनी धुरी पर घूमने के कारण हो रहा था। उनके इस सफल प्रदर्शन ने खगोल विज्ञान की दुनिया में एक नई क्रांति ला दी और आम जनमानस के लिए इस सत्य को स्वीकार करना आसान बना दिया। आज फौकॉल्ट पेंडुलम दुनिया भर के कई विज्ञान संग्रहालयों में देखा जा सकता है, जो हमें निरंतर पृथ्वी की गति का स्मरण कराता रहता है। पृथ्वी की घूर्णन गति हमारे अस्तित्व के लिए अत्यंत आवश्यक है क्योंकि यह न केवल दिन-रात का निर्माण करती है, बल्कि पृथ्वी के तापमान को भी संतुलित रखती है। यदि पृथ्वी घूमना बंद कर दे, तो इसके एक हिस्से में हमेशा चिलचिलाती गर्मी और दूसरे हिस्से में जमा देने वाली ठंड होगी, जिससे जीवन का अस्तित्व ही संकट में पड़ जाएगा। इसके अलावा, पृथ्वी के घूमने से उत्पन्न होने वाला कोरियोलिस प्रभाव समुद्र की लहरों और वायुमंडल में हवाओं की दिशा को नियंत्रित करता है। मौसम का बदलना, बादलों की गति और महासागरीय धाराओं का प्रवाह, ये सभी पृथ्वी के निरंतर घूमने का ही परिणाम हैं। यह घूर्णन ही पृथ्वी के चारों ओर उस चुंबकीय क्षेत्र का निर्माण करता है, जो हमें सूर्य की हानिकारक विकिरणों से बचाता है। वर्तमान परिप्रेक्ष्य में, यह दिवस हमें जलवायु परिवर्तन और पृथ्वी के बदलते स्वरूप पर भी विचार करने के लिए मजबूर करता है। वैज्ञानिकों का मानना है कि ग्लोबल वार्मिंग के कारण ग्लेशियरों का पिघलना पृथ्वी के द्रव्यमान वितरण को बदल रहा है, जिससे इसकी घूर्णन गति पर सूक्ष्म प्रभाव पड़ सकता है। यह सूक्ष्म बदलाव भविष्य में हमारे सटीक समय मापन और उपग्रह संचार प्रणालियों के लिए चुनौतियां खड़ी कर सकता है। अतः, पृथ्वी घूर्णन दिवस केवल एक खगोलीय घटना का उत्सव नहीं है, बल्कि यह हमारे पारिस्थितिक तंत्र की संवेदनशीलता को समझने का भी दिन है। यह हमें सिखाता है कि प्रकृति की हर क्रिया एक निश्चित गणित और संतुलन पर आधारित है, जिसे बनाए रखना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है।

आज के आधुनिक युग में पृथ्वी घूर्णन दिवस मनाने का उद्देश्य नई पीढ़ी को विज्ञान के प्रति जागरूक करना और उन्हें ब्रह्मांड के रहस्यों को समझने के लिए प्रेरित करना है। यह दिन हमें याद दिलाता है कि भले ही हम अपने पैरों के नीचे की जमीन को स्थिर महसूस करते हों, लेकिन हम वास्तव में अंतरिक्ष में एक अविश्वसनीय गति से यात्रा कर रहे हैं। शैक्षणिक संस्थानों में इस दिन छात्रों को खगोल भौतिकी के बारे में बताया जाता है और महान वैज्ञानिकों के संघर्षपूर्ण योगदान को याद किया जाता है। सरल शब्दों में कहें तो, यह दिवस कृतज्ञता व्यक्त करने का अवसर है कि हमारी पृथ्वी सही गति और सही झुकाव के साथ घूम रही है, जिससे जीवन फलता-फूलता रहे। हमें इस दिन यह संकल्प लेना चाहिए कि हम वैज्ञानिक दृष्टिकोण अपनाएंगे और अपनी पृथ्वी के पर्यावरण को सुरक्षित रखने में योगदान देंगे ताकि आने वाली पीढ़ियाँ भी इस अद्भुत ग्रह की गति का आनंद ले सकें।

अंकिता पर पहाड़ से लेकर मैदान तक उत्तराखंड की सियासत में उबाल

हर्षवर्धन पान्डे

तीन बरस पहले उत्तराखंड को झकझोर देने वाले अंकिता भंडारी हत्याकांड के अनसुलझे राज अब परत दर परत खुलते जा रहे हैं। इस मामले को उत्तराखंड की राजनीती की एप्सटीन फाइल्स माना जा रहा है जहाँ नेताओं पर यौन शोषण करने के सीधे आरोप लग रहे हैं। हाल ही में भाजपा के पूर्व विधायक सुरेश राठौर और अभिनेत्री उर्मिला सनावर के बीच सोशल मीडिया पर हुई बहस ने इस केस को एक बार फिर से नया मोड़ दे दिया है। खुद को सुरेश की पत्नी बताने वाली उर्मिला ने दावा दिया है कि अंकिता पर स्पेशल सर्विस के लिए दबाव डालने वाला वीआईपी कोई और नहीं बल्कि भाजपा के ही नेता थे। उन्होंने भाजपा के केंद्रीय महासचिव दुष्यंत गौतम समेत कई पदाधिकारियों पर भी घिनौने कृत्य करने के आरोप लगाए हैं। हालाँकि सुरेश राठौर और भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव और उत्तराखंड प्रभारी दुष्यंत गौतम उर्फ़ गट्टू ने इन आरोपों को सिरे से ख़ारिज कर दिया है। इस खुलासे के बाद उत्तराखंड की राजनीती में भूचाल आ गया है और धामी सरकार पर सीधे सवाल उठ रहे हैं आखिर क्यों उसने इस प्रकरण पर ख़ामोशी की चादर ओढ़ ली है और इन सब आरोपों के बीच भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव और उत्तराखंड प्रभारी दुष्यंत गौतम ने राज्य सरकार से अपील की है उन पर सोशल मीडिया पर चल रहे ऑडियो और वीडियो हटाए जाएँ। गौतम का साफ़ कहना है इससे उनकी छवि खराब हो रही है और उनके खिलाफ साजिश की जा रही है। उन्होंने उत्तराखंड के गृह सचिव शैलेश बगौली को बाकायदा इस बारे में एक पत्र भी लिखा है।

अंकिता भंडारी उत्तराखंड के पौड़ी गढ़वाल जिले के एक छोटे से गाँव डोभ-श्रीकोट की 19 बरस की बेटी थी। घर की गरीबी का सपना लेकर वह 2022 में पहाड़ों से निकलकर सीधे मैदान में आई और ऋषिकेश के यमकेश्वर ब्लाक के वनंतारा रिसॉर्ट के रिसेप्शनिस्ट की 10 हजार रु. की नौकरी करने लगी। नौकरी शुरू किये अभी 15 दिन भी नहीं हुए थे कि रिसॉर्ट के मालिक पुलकित आर्य ने अंकिता पर दबाव डाला कि वह एक वीआईपी गेस्ट स्पेशल सर्विस दे। अंकिता ने इससे साफ़ इंकार कर दिया। उसने अपने दोस्त पुष्पदीप को व्हाट्सएप पर और रिसॉर्ट के साथी विवेक आर्य को बताया कि उसे जान का खतरा है। पुलकित आर्य भाजपा के पूर्व में मंत्री विनोद आर्य के बेटे हैं। 18 सितम्बर 2022 को अंकिता का फ़ोन बंद हो गया और वह लापता हो गई। 6 दिन बाद 24 सितम्बर को पास की चिल्ला नहर से उसकी गली हुई लाश मिली। जांच में पता चला पुलकित आर्य ने अपने दो साथियों रिसॉर्ट मैनेजर सौरभ भास्कर और अंकित गुप्ता के साथ मिलकर अंकिता पर हमला किया और उसे नहर में फेंक दिया, जहाँ डूबने से उसकी मौत हो गई। इसके बाद जो हुआ वह न्याय के बजाय पूरी तरह से सबूत मिटाने की कोशिश लगता है। रिसॉर्ट के उस हिस्से को आधी रात में यमकेश्वर की भाजपा विधायक रेनू बिष्ट ने बुलडोजर से तोड़ दिया गया जहाँ अंकिता रहती थी। मुख्यमंत्री धामी और तत्कालीन पुलिस प्रमुख ने एक्स हैंडल पर कहा था कि उन्होंने त्वरित न्याय कर दिया है लेकिन सवाल यह है अंकिता प्रकरण पर अगर सबूत मिटाए गए तो असली न्याय कैसे होगा ? इस प्रकरण में पहले मामला पुलिस को सौंपा गया लेकिन जनता के गुस्से के बाद धामी सरकार ने एसआईटी बैठाई। दिसंबर 2022 में 500 पेज की चार्जशीट कोर्ट में दाखिल हुई जिसमें वीआईपी का जिक्र तो कई जगह आया लेकिन उसका नाम पता करने की कोशिश कहीं भी नहीं की गई। अंकिता की मां ने वीआईपी का नाम तक बताया था लेकिन सरकार के हाथों खेल रही राज्य की पुलिस ने उनसे पूछताछ तक नहीं की। 30 मई 2025 को कोटद्वार की अदालत ने पुलकित आर्य,सौरभ भास्कर और अंकित गुप्ता को दोषी ठहराया और तीनों को आजीवन कारावास की सजा सुनाई। आरोपियों ने उत्तराखंड हाईकोर्ट में अपील की लेकिन वीआईपी से पर्दा आज तक नहीं हटा। तमाम सामाजिक संगठनों ने मांग की कि वीआईपी को सामने लाओ और सजा दो। सुप्रीम कोर्ट के वकील कॉलिन गोंसाल्विस ने भी इस मसले पर अपनी आवाज उठायी। एक हफ्ते पहले सोशल मीडिया पर भाजपा के पूर्व विधायक सुरेश राठौर और उर्मिला सनावर के बीच झगड़ा हुआ। उर्मिला ने एक वीडियो में खुलासा किया कि वह वीआईपी दुष्यंत गौतम है जो भाजपा का बड़ा नेता है। उन्होंने यह भी कहा अकेले गौतम ही नहीं इस मामले में भाजपा के अन्य पदाधिकारियों की भी गहरी संलिप्तता है। उर्मिला ने यह भी कहा अंकिता के कमरे में बुलडोजर चलवाने वाली महिला का नाम भी उन्हें पता है साथ में उन्होंने भाजपा के कई नेताओं पर यौन दुराचार करने के आरोप भी लगाए जिससे ठण्ड में उत्तराखंड की राजनीती गर्म हो गई। विपक्षी दल कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष गणेश गोदियाल ने पीसीसी दफ्तर दिल्ली में इस पर बड़ी प्रेस कांफ्रेंस उर्मिला के वीडियो के साथ कर दी और साफ कहा अंकिता प्रकरण की सीबीआई जांच सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में हो। गोदियाल ने इस पर धामी सरकार को अल्टीमेटम देने के साथ ही राज्यव्यापी आंदोलन की चेतावनी दी है।

अंकिता प्रकरण में धामी सरकार पर लगातार दबाव बनता जा रहा है। जनता सरकार से पूछ रही है वीआईपी कौन है और सरकार मौन क्यों है? अंकिता भंडारी हत्याकांड को लेकर उत्तराखंड भारतीय जनता पार्टी में असंतोष खुलकर सामने आने लगा है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की चुप्पी भी इस प्रकरण के रहस्य को उजागर कर रही है। सरकार में शामिल भाजपा के तमाम मंत्रियों की जुबां पर ताले लग गए हैं। अंकिता भंडारी मामले में कैबिनेट मंत्री सुबोध उनियाल ने बीते दिनों एक कॉन्फ्रेंस की जिसमें वह भी पत्रकारों के सवालों से बचते नजर आए। घटना के तोड़े गए रिसॉर्ट को लेकर पूछे गए सवाल पर सुबोध उनियाल कोई स्पष्ट जवाब नहीं दे सके। आम जनमानस में यह धारणा तेजी से बनी है धामी सरकार इस मामले में लीपापोती कर रही है। अंकिता प्रकरण में सबूतों से बड़े पैमाने पर छेड़छाड़ की गई है। भारतीय दंड संहिता के मुताबिक सबूतों को मिटाना भी खड़ एक बड़े अपराध की श्रेणी में आता है। अगर अपराधी निर्दोष थे तो सबूतों से कैसा डर? और सबसे बड़ा सवाल वह जमीन जो आयुर्वेदिक दवाइयों के लिए ली गई थी, उस पर रिसॉर्ट कैसे बना गया?

अंकिता केस सिर्फ हत्या का का नहीं, यौन शोषण और सत्ता के दुरूपयोग से भी जुड़ा है। अंकिता ने अपनी इज्जत बचाने की कोशिश की लेकिन उसे जान देकर कीमत चुकानी पड़ी। उर्मिला के आरोप बताते हैं सत्ता के सिंहासन पर बैठे बड़े- बड़े सूरमा इसमें शामिल हो सकते हैं। बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ का नारा देने वाली भाजपा सरकार ने अपने राज्य की बेटी की अस्मिता बचाने के लिए क्या किया? इस घटना से धामी सरकार पूरी तरह से बैकफुट पर है। आगे जांच होगी या नहीं यह देखना अभी बाकी है?

उत्तराखंड में महिलाओं से जुड़े अधिकांश मामलों में भाजपा नेताओं के नाम सामने आए हैं। कई में जांच चल रही है या कोर्ट में सबूतों के आधार पर फैसला हुआ है। चाहे अल्मोड़ा में भाजपा ब्लॉक प्रमुख पर 14 साल की नाबालिग से रेप का मामला हो या नैनीताल में भाजपा नेता मुकेश बोरा पर रेप का मामला, हरिद्वार में भाजपा नेता आदित्य राज सैनी पर नाबालिग की गैंगरेप और हत्या का मामला हो या एक पूर्व भाजपा महिला नेता पर अपनी नाबालिग बेटी के साथ गैंगरेप कराने का मामला इन सब मामलों के तार भाजपा से ही जुड़े हैं जिसके बाद पार्टी ने इन सभी नेताओं को पार्टी से बाहर का रास्ता दिखाकर खुद को बरी कर लिया जिसके बाद ये मामले कांग्रेस द्वारा भाजपा सरकार पर महिलाओं की सुरक्षा में नाकामी के आरोप लगाने का मुख्य आधार बने। अंकिता प्रकरण में भी उर्मिला के खुलासे भाजपा की परेशानी बढ़ाने का काम कर रहे हैं।

हिमालयी सीमाओं की सुरक्षा के लिए सैन्य-नागरिक-समाज के साझे मॉडल पर जोर, राज्यपाल

पथ प्रवाह, देहरादून

हिमालयी सीमाओं की सुरक्षा को सुदृढ़ करने के लिए सैन्य बलों, नागरिक प्रशासन और समाज के बीच मजबूत समन्वय आवश्यक है। यह विचार राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (से नि) ने क्लेमेंट टाउन, देहरादून में आयोजित संगोष्ठी 'फोर्टिफाइंग द हिमालयाजः ए प्रोएक्टिव मिलिट्री-सिविल-सोसाइटी फ्यूजन स्ट्रेटजी इन द मिडिल सेक्टर' में व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि हिमालय केवल एक भौगोलिक सीमा नहीं, बल्कि एक जीवंत रणनीतिक प्रणाली है, जहां भू-आकृति, आधारभूत संरचना, जनसंख्या, शासन और सैन्य क्षमता परस्पर जुड़ी हुई हैं।

राज्यपाल ने कहा कि भारत-चीन सीमा के मध्य सेक्टर को भले ही परंपरागत रूप से शांत माना गया हो, लेकिन वर्तमान वैश्विक और क्षेत्रीय परिस्थितियां निरंतर सतर्कता और पूर्व तैयारी की मांग करती हैं। आज की सुरक्षा चुनौतियां केवल प्रत्यक्ष सैन्य टकराव तक सीमित नहीं हैं, बल्कि हाइब्रिड वारफेयर, ग्रे-जोन गतिविधियों और द्वि-उपयोगी अवसंरचना के माध्यम से भी सामने आ रही हैं। ऐसे में दीर्घकालिक सुरक्षा के लिए सैन्य शक्ति के साथ-साथ प्रशासनिक क्षमता, स्थानीय समुदायों और आधुनिक तकनीक का समन्वय अनिवार्य है।

उन्होंने सीमावर्ती गांवों को राष्ट्रीय सुरक्षा की आधारशिला बताते हुए कहा कि स्थानीय नागरिक केवल योजनाओं के लाभार्थी नहीं, बल्कि सीमाई सुरक्षा के सक्रिय सहभागी हैं। 'वाइब्रेंट विलेज' कार्यक्रम जैसे प्रयास सीमांत क्षेत्रों में जनसंख्या स्थिरता, लॉजिस्टिक मजबूती और स्थायी राष्ट्रीय उपस्थिति को सुदृढ़ कर रहे हैं।

राज्यपाल ने उच्च हिमालयी क्षेत्रों में सड़कों, सुरंगों, पुलों, हवाई संपर्क और दूरसंचार को परिचालन तत्परता का महत्वपूर्ण आधार बताया। चारधाम परियोजना का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि यह परियोजना न केवल तीर्थाटन और आपदा प्रबंधन को मजबूत करती है, बल्कि रणनीतिक गतिशीलता और सुरक्षा तैयारियों को भी गति देती है। ड्रोन, उन्नत निगरानी प्रणालियों और कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित तकनीकों को उन्होंने परिस्थितिजन्य जागरूकता के लिए उपयोगी बताया, हालांकि यह भी स्पष्ट किया कि तकनीक कभी भी नेतृत्व और संस्थागत मजबूती का विकल्प नहीं हो सकती। इस अवसर पर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि हिमालयी क्षेत्र की सुरक्षा, आपदा प्रबंधन और आधारभूत संरचना से जुड़े विषयों पर इस तरह की संगोष्ठियां अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने कहा कि सीमांत क्षेत्रों में रहने वाले नागरिक देश की आंख और कान हैं, जो राष्ट्रीय सुरक्षा में अहम भूमिका निभाते हैं। मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में चल रहे वाइब्रेंट विलेज कार्यक्रम का उल्लेख करते हुए कहा कि राज्य सरकार सीमांत क्षेत्रों के सर्वांगीण विकास के लिए संकल्पित है। संगोष्ठी में जीओसी-इन-सी सेंट्रल कमांड लेफ्टिनेंट जनरल अनिंद्य सेनगुप्ता, पूर्व राजदूत अशोक कांथा, ब्रिगेडियर अंशुमान नारंग और लेफ्टिनेंट जनरल सैयद अता हसनैन सहित कई विशेषज्ञों ने अपने विचार साझा किए।

एक नजर

मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने अं?किता भंडारी के माता—पिता को किया आश्वस्त

पथ प्रवाह, देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से मुख्यमंत्री आवास में स्वर्गीय अंकिता भंडारी के पिता वीरेंद्र सिंह भंडारी व माता सोनी देवी ने भेंट की। इस अवसर पर उन्होंने प्रकरण से संबंधित अपने मंतव्य एवं भावनाएं मुख्यमंत्री पुष्कर धामी के समक्ष रखीं। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने उन्हें पूरी संवेदनशीलता के साथ सुना और आश्वस्त किया कि राज्य सरकार पीड़ित परिवार के साथ मजबूती से खड़ी है। मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने कहा कि इस मामले में न्याय सुनिश्चित करना राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने पीड़ित परिवार को हर संभव सहयोग एवं उनकी मांगों पर सकारात्मक कार्रवाई का भरोसा दिलाया।

उत्तराखंड के पर्वतीय जिलों में विशेषज्ञ डॉक्टर, स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूती

पथ प्रवाह, देहरादून। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) के तहत उत्तराखंड सरकार ने पर्वतीय और दूरस्थ जिलों में स्वास्थ्य सेवाओं को सशक्त बनाने की दिशा में बड़ा कदम उठाया है। लंबे समय से विशेषज्ञ चिकित्सकों की कमी से जूझ रहे पहाड़ी क्षेत्रों को अब एनेस्थेटिस्ट, प्रसूति एवं स्त्री रोग विशेषज्ञ और बाल रोग विशेषज्ञों की सौगात मिली है। 'यू कोट वी पे' मॉडल के अंतर्गत चयनित विशेषज्ञ डॉक्टरों की तैनाती को शासन स्तर से स्वीकृति प्रदान कर दी गई है। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अंतर्गत 3 दिसंबर 2025 को आयोजित साक्षात्कार के बाद चयनित चिकित्सकों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) और उप जिला चिकित्सालयों (एसडीएच) में तैनात किया गया है। इन विशेषज्ञों को 2.89 लाख से 3.50 लाख रुपये प्रतिमाह तक मानदेय दिया जाएगा। इन नियुक्तियों से मातृ-शिशु स्वास्थ्य, शल्य चिकित्सा, आपातकालीन और रेफरल सेवाओं में उल्लेखनीय सुधार की उम्मीद जताई जा रही है। अल्मोड़ा जनपद के चौखुटिया सीएचसी में एनेस्थेटिस्ट डॉ. आर. हेमचंद्रन, प्रसूति एवं स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. देविका खत्री तथा बाल रोग विशेषज्ञ डॉ. अनंत गुप्ता की तैनाती की गई है। इससे क्षेत्र में सर्जरी, सुरक्षित प्रसव और नवजात शिशु उपचार की सुविधाएं पहले से अधिक सुदृढ़ होंगी।

चमोली जनपद के गैरसैंण स्थित उप जिला चिकित्सालय में एनेस्थेटिस्ट डॉ. विशाल प्रताप सिंह और प्रसूति एवं स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. शिल्पा भानुदास मुरकुटे को तैनात किया गया है, जिससे स्थानीय लोगों को विशेषज्ञ उपचार के लिए अब मैदानी क्षेत्रों की ओर रुख नहीं करना पड़ेगा। पौड़ी गढ़वाल जिले के बीरोंखाल सीएचसी में प्रसूति एवं स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. ममता थपलियाल तथा पिथौरागढ़ जिले के डीडीहाट सीएचसी में बाल रोग विशेषज्ञ डॉ. किशन सिंह महर अपनी सेवाएं देंगे। सभी नियुक्तियां प्रारंभिक रूप से 11 माह की संविदा अवधि के लिए की गई हैं, जिन्हें कार्य मूल्यांकन के आधार पर आगे बढ़ाया जा सकता है।

स्वास्थ्य सचिव डॉ. आर. राजेश कुमार ने कहा कि राज्य सरकार का लक्ष्य पर्वतीय और सीमांत क्षेत्रों में भी गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना है। उन्होंने बताया कि इन तैनातियों से मातृ एवं शिशु मृत्यु दर में कमी आएगी और आपातकालीन सेवाएं मजबूत होंगी। सरकार भविष्य में भी आवश्यकता अनुसार विशेषज्ञ चिकित्सकों की नियुक्ति जारी रखेगी।

माल्टा मिशन से पहाड़ की आर्थिकी को मिलेगी नई मजबूती: मुख्यमंत्री पुष्कर धामी

पथ प्रवाह, देहरादून।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने बुधवार को आईटीबीपी स्टेडियम सीमा द्वार, देहरादून में सेवा संकल्प (धारिणी) फाउंडेशन द्वारा आयोजित दो दिवसीय माल्टा महोत्सव कार्यक्रम में प्रतिभाग किया। मुख्यमंत्री ने राज्य के विभिन्न जिलों से आए कृषकों से संवाद कर उनके द्वारा उत्पादित माल्टा एवं नींबू की खटाई का स्वाद लिया और किसानों के अनुभवों को जाना।

मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने कहा कि उत्तराखण्ड की जलवायु और भौगोलिक परिस्थितियाँ माल्टा उत्पादन के लिए अत्यंत उपयुक्त हैं। इसी संभावनाओं को धरातल पर उतारने के लिए राज्य सरकार द्वारा माल्टा मिशन शुरू करने की घोषणा की गई है। इस मिशन के माध्यम से माल्टा के उत्पादन को बढ़ावा देने के साथ-साथ इसके प्रसंस्करण, ब्रांडिंग, विपणन और मूल्य संवर्धन पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि इससे पर्वतीय क्षेत्रों के किसानों की आय में उल्लेखनीय वृद्धि होगी और स्थानीय फलों को राष्ट्रीय पहचान मिलेगी। मुख्यमंत्री ने बताया कि राज्य सरकार माल्टा के साथ-साथ कीवी, सेब, आड़ू, पुलम, नींबू वर्ग के फलों एवं अन्य स्थानीय उत्पादों के उत्पादन को भी प्रोत्साहित कर रही है। इसके लिए आधुनिक तकनीक, प्रशिक्षण और बाजार उपलब्ध कराने की दिशा में निरंतर कार्य किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि माल्टा महोत्सव जैसे आयोजन किसानों को सीधे उपभोक्ताओं और व्यापारियों से जोड़ने का सशक्त माध्यम हैं। ऐसे मंच स्थानीय उत्पादों को प्रोत्साहन देने के साथ-साथ स्वरोजगार और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को भी मजबूती प्रदान करते हैं।

इस अवसर पर आईजी आईटीबीपी संजय गुंज्याल, विभिन्न विभागों के अधिकारी, जनप्रतिनिधि और बड़ी संख्या में कृषक उपस्थित रहे।

स्व. हरबंस कपूर की 80वीं जयंती पर भावभीनी श्रद्धांजलि, मुख्यमंत्री ने बताया प्रेरणास्त्रोत जननेता

पथ प्रवाह, देहरादून।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने बुधवार को हरबंस कपूर मेमोरियल सामुदायिक भवन, गढ़ीकैंट, देहरादून में आयोजित स्व. हरबंस कपूर की 80वीं जयंती के अवसर पर श्रद्धांजलि समारोह में प्रतिभाग किया। मुख्यमंत्री ने स्व. हरबंस कपूर के छायाचित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी और उनके योगदान को नमन किया।

मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने कहा कि स्व. हरबंस कपूर का संपूर्ण जीवन समाज और जनता के हितों के लिए समर्पित रहा। वे सादगी, संवेदनशीलता और ईमानदार राजनीति के प्रतीक थे। उनकी कार्यशैली और जनसेवा की भावना आज भी सभी जनप्रतिनिधियों के लिए प्रेरणा का स्रोत है और आने वाली पीढ़ियों को मार्गदर्शन देती रहेगी। उन्होंने कहा कि स्व. कपूर ने विकास और जनकल्याण के क्षेत्र में जो कार्य किए, उन्हें राज्य सदैव स्मरण रखेगा।

मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने स्व. हरबंस कपूर के साथ बिताए अपने अनुभव साझा करते हुए कहा कि वे प्रत्येक वर्ग की समस्याओं को गंभीरता से सुनते थे और उनके समाधान के लिए तत्पर रहते थे। राज्य के विकास से जुड़े विषयों पर उनका दृष्टिकोण सकारात्मक, व्यावहारिक और दूरदर्शी था। उन्होंने हमेशा समावेशी विकास की नीति को प्राथमिकता दी।

कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी ने भी स्व. हरबंस कपूर को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि वे एक आदर्श जननेता थे, जिन्होंने जनसेवा को ही अपने जीवन का लक्ष्य बनाया। उन्होंने कहा कि हरबंस कपूर उनके राजनीतिक गुरु थे और उनके मार्गदर्शन का प्रभाव उनके सार्वजनिक जीवन में सदैव रहेगा।

इस अवसर पर विधायक सविता कपूर, दायित्वधारी श्याम अग्रवाल सहित अनेक जनप्रतिनिधि, सामाजिक कार्यकर्ता और गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

एक नजर

मारूति कार के सर्विस सेंटर में लगी आग से मचा हड़कंप

पथ प्रवाह, हरिद्वार। हरिद्वार इंडस्ट्रीयल एरिया में स्थित मारूति सुजूकि कंपनी के अधिकृत सर्विस सेंटर में अचानक लगी आग से हड़कंप मच गया। मौके पर मौजूद कर्मचारियों ने फायर उपकरणों से काबू पाने का प्रयास किया, लेकिन जब आग भड़कने लगी तब दमकल विभाग को सूचना दी गई। सूचना पर मौके पर पहुंची दमकल विभाग की टीम ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। बताया जा रहा है यह आग शार्ट सर्किट के कारण लगी। समय रहते आग पर काबू पाने से किसी तरह की जनहानि नहीं हुई। घटना के समय 30 से अधिक कर्मचारी काम कर रहे थे। अंदर धुआं फैलने पर किसी तरह कर्मचारियों को बाहर निकाला गया। सर्विस सेंटर के वाइस प्रेसिडेंट शिशुपाल प्रजापित ने मीडिया को बताया कि प्रथम दृष्टया आग लगने की वजह शार्ट सर्किट सामने आयी है। आग लगने पर कर्मचारियों ने अग्निशमन यंत्रों का इस्तेमाल कर आग को फैलने से रोका। फायर विभाग को भी सूचना दी गई। फायर विभाग के मुताबिक आग लगने की सूचना मिलने पर मौके पर दो फायर टेंडर भेजे गए। समय रहते आग पर पूरी तरह काबू पा लिया गया, जिस कारण किसी तरह की कोई जनहानि नहीं हुई।

उत्तरकाशी पुलिस ने पीड़ित को लौटाए 2.90 लाख रुपये

पथ प्रवाह, उत्तरकाशी। ड्रीम इलेवन के नाम पर हुई साइबर ठगी के एक मामले में उत्तरकाशी पुलिस ने सराहनीय कार्य करते हुए पीड़ित को पूरी 2 लाख 90 हजार रुपये की धनराशि वापस दिलाई है। यह कार्रवाई पुलिस की सतर्कता और तकनीकी दक्षता का उदाहरण मानी जा रही है। मामला सितंबर 2025 का है, जब बड़ैथी, उत्तरकाशी निवासी एक व्यक्ति ने कोतवाली उत्तरकाशी में तहरीर देकर बताया कि मई 2025 में कुछ अज्ञात मोबाइल नंबरों से उसकी पत्नी को कॉल कर ड्रीम इलेवन में एक करोड़ रुपये जीतने का झांसा दिया गया। ठगों ने पुरस्कार राशि दिलाने के नाम पर अलग-अलग बहानों से कुल 2 लाख 90 हजार रुपये की ठगी कर ली। शिकायत के आधार पर पुलिस ने तत्काल अज्ञात आरोपियों के खिलाफ धोखाधड़ी का अभियोग पंजीकृत कर जांच शुरू की। पुलिस अधीक्षक उत्तरकाशी श्रीमती कमलेश उपाध्याय के निर्देश पर धोखाधड़ी से संबंधित मामलों को प्राथमिकता देते हुए त्वरित कार्रवाई की गई। विवेचना के दौरान विवेचक वरिष्ठ उपनिरीक्षक दिलमोहन सिंह बिष्ट ने साइबर सेल उत्तरकाशी के सहयोग और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर ठगी गई धनराशि का पता लगाया। प्रभावी प्रयासों के फलस्वरूप पीड़ित की पूरी 2.90 लाख रुपये की राशि शत-प्रतिशत वापस कराई गई। उत्तरकाशी पुलिस ने आमजन से अपील की है कि किसी भी प्रकार के लॉटरी, इनाम या ऑनलाइन गेम जीतने से जुड़े लालच भरे कॉल और ऑफरों से सावधान रहें। साइबर धोखाधड़ी की स्थिति में तत्काल 1930 हेल्पलाइन पर कॉल कर शिकायत दर्ज कराए।

जी राम जी बिल पर बोले डॉ. यादव प्रधानमंत्री ने देश की चार प्रमुख जातियां बताई, इन्हीं के उत्थान को सरकार की प्राथमिकता

भोपाल। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल ने आज बुधवार को भाजपा प्रदेश कार्यालय में प्रेसवार्ता के माध्यम से मीडिया से चर्चा की। इस दौरान मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देश की चार प्रमुख जातियां बताई हैं, जिनमें गरीब, युवा, किसान और महिलाएं शामिल हैं। इन्हीं वर्गों के उत्थान को केंद्र और राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता बताया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार वर्ष 2026 को किसान वर्ष के रूप में मनाएगी, जबकि वर्ष 2027 को युवा वर्ष के रूप में मनाने की तैयारी की जा रही है। किसानों के कल्याण को लेकर सरकार गंभीर है और इसी क्रम में शीघ्र ही एक सर्वदलीय बैठक बुलाई जाएगी। डॉ. यादव ने बताया कि इस बैठक में देश के अन्य राज्यों से कृषि क्षेत्र के विशेषज्ञों को भी आमंत्रित किया जाएगा। किसानों के हित में व्यापक विचार-विमर्श के बाद ठोस और प्रभावी निर्णय लिए जाएंगे, ताकि कृषि और किसान दोनों को लाभ मिल सके। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने 'जी राम जी योजना' को लेकर कांग्रेस पर भ्रम फैलाने का आरोप लगाते हुए कहा कि यह योजना रोजगार आधारित कार्यों के लिए शुरू की गई है। इसके लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा पर्याप्त बजट का प्रावधान किया गया है। केंद्र सरकार ने छह माह के भीतर इस योजना को राज्य में अधिसूचित करने के निर्देश दिए हैं, जिसके तहत राज्य सरकार शीघ्र ही इसका नोटिफिकेशन जारी करेगी। उन्होंने बताया कि इस योजना के तहत मजदूरों को काम की उपलब्धता सुनिश्चित की जाएगी। योजना में 60 प्रतिशत राशि केंद्र सरकार और 40 प्रतिशत राशि राज्य सरकार वहन करेगी। इसमें जनकल्याणकारी कार्यों को प्राथमिकता दी जाएगी। योजना के अंतर्गत मजदूरों को 125 दिन का रोजगार उपलब्ध कराया जाएगा। मजदूरी की नई दरें केंद्र सरकार द्वारा तय की जाएंगी और तब तक मनरेगा की वर्तमान दरों के अनुसार ही मजदूरी दी जाती रहेगी।

मॉडल जनपद बनाने के लिए शहर से लेकर गांव कस्बों तक निरंतर चल रहा सफाई अभियान

पथ प्रवाह, हरिद्वार।

धर्मनगरी हरिद्वार को स्वच्छ,स्वच्छ एव सुंदर बनाए जाने के लिए मुख्यमंत्री के निर्देशों के अनुपालन और जिलाधिकारी मयूर दीक्षित के निर्देशन में जनपद में निरंतर सफाई अभियान चलाया जा रहा है। एक माह 20 दिन से चल रहे इस अभियान का असर धरातल पर दिखने लगा है।

जिलाधिकारी मयूर दीक्षित ने जनपद को साफ स्वच्छ बनाने के लिए नव वर्ष के अवसर पर महा सफाई अभियान शुरू किया। जिसमें सभी जनपदवासियों ओर धार्मिक संस्थाओं, व्यापार मंडलों, जनप्रतिनिधियों, गैर स्वयंसेवी संगठनों इस अभियान में पूर्ण सहयोग करने की अपील की गई। इस माह अभियान से जुड़ते हुए अपने घर आंगन एवं आस पास क्षेत्र को साफ सुथरा रखने तथा पर्यावरण के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए सभी के सहयोग की अपेक्षा की गई है, जिससे कि जनपद हरिद्वार को साफ ,स्वच्छ एवं सुंदर जनपद बनाया जा सके।

बीएचईएल नगर प्रशासक संजय पवार ने अवगत कराया है कि बीएचईएल क्षेत्रांतर्गत एसबीआई बैंक सेक्टर 1 से ईटीएच चौराहा तक साफ सफाई अभियान चलाया गया। अधिशासी अभियंता एनएचएआई अतुल शर्मा ने अवगत कराया है कि राष्ट्रीय राजमार्ग 74 सड़क किनारे एवं सिटी एरिया में भी साफ सफाई का अभियान चलाया गया। अधिशासी अभियंता राष्ट्रीय राजमार्ग सुरेश तोमर ने अवगत कराया है कि हरिद्वार लक्सर मार्ग पर जियापोता एवं अजीतपुर, नूरपुर, पंजन हेडी आदि क्षेत्रों में सफाई का कार्य कराया गया। खंड विकास अधिकारी नारसन ने अवगत कराया है कि उदाल्हेरी,कुरड़ी,नागला सिकंदर में साफ सफाई का कार्य कराया गया। खंड विकास अधिकारी रुड़की ने अवगत कराया है कि ग्राम पंचायत सुल्तानपुर, साबतवाली,डेलना एवं अकबरपुर फाजिलपुर क्षेत्रांतर्गत साफ अभियान चलाया गया। खंड विकास अधिकारी खानपुर ने अवगत कराया है कि ग्राम पंचायत खानपुर,प्रहलादपुर एवं गोवर्धनपुर आदि क्षेत्रों में साफ सफाई कराया गया तथा लगभग 10 कुंटल प्लास्टिक एवं कचरा एकत्रित किया गया। ग्राम दादूपुर में नमो स्वच्छता समिति,मोहल्ला समिति के सदस्यों एवं भुवेश्वरी महिला आश्रम, आईटीसी मिशन सुनहरा कल के द्वारा एक व्यापक स्वच्छता अभियान क्षेत्र में चलाया गया।नाई घाट पर भी चलाया गया स्वच्छता अभियान।

मुख्यमंत्री पुष्कर धामी का कर्मचारियों को तोहफा, 227.73 करोड़ की योजनाओं को मंजूरी

पथ प्रवाह, हरिद्वार

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने राज्य के समग्र विकास और कर्मचारियों के हित में अहम फैसले लेते हुए विभिन्न विकास योजनाओं के लिए कुल 227.73 करोड़ की धनराशि के अनुमोदन के साथ-साथ स्वायत्तशासी संस्थाओं के कर्मचारियों को बढ़ा हुआ महंगाई भत्ता देने की स्वीकृति प्रदान की है। मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने हरिद्वार गंगा कॉरिडोर परियोजना के अंतर्गत रोडी बेलवाला क्षेत्र के पुनरुद्धार एवं विकास कार्यों के लिए 59.11 करोड़ की योजना को मंजूरी दी गई है। इस परियोजना से गंगा तट क्षेत्र का सौंदर्यीकरण, सुव्यवस्थित यातायात और पर्यटन को नई गति मिलने की उम्मीद है। इसके अतिरिक्त मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने गैरसैंण (चमोली) स्थित विधानसभा परिसर भराड़ीसैंण में सम्पूर्ण चाहरदीवारी एवं मुख्य गेट के निर्माण कार्य हेतु वास्तविक लागत 9.87 करोड़ के सापेक्ष द्वितीय किश्त के रूप में 40 प्रतिशत अर्थात् 3.95 करोड़ की धनराशि अवमुक्त किए जाने का अनुमोदन प्रदान किया है। वर्ष 2024-25 के अंतर्गत राज्य को पूंजीगत निवेश हेतु विशेष सहायता योजना के तहत मसूरी-देहरादून विकास प्राधिकरण, देहरादून एवं जिला स्तरीय विकास प्राधिकरण, नैनीताल की कुल 09 योजनाओं के लिए आवास विभाग, उत्तराखण्ड को 164.67 करोड़ की धनराशि स्वीकृत की गई है। इस संबंध में शासनादेश भी जारी कर दिया गया है।

महंगाई भत्ता बढ़ाने को मुख्यमंत्री की मंजूरी

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सातवें पुनरीक्षित वेतनमान में वेतन आहरित कर रहे स्वायत्तशासी संस्थाओं यू-कॉस्ट एवं यू-सैक के नियमित कार्मिकों के लिए महंगाई भत्ते में वृद्धि को मंजूरी दी है। इसके तहत 01 जनवरी, 2025 से महंगाई भत्ता 55 प्रतिशत तथा 01 जुलाई, 2025 से 58 प्रतिशत किया जाएगा।

दून पुलिस की बड़ी कार्रवाई, स्मैक तस्करी में लिप्त महिला गिरफ्तार

पथ प्रवाह, देहरादून

मुख्यमंत्री के 'ड्रग्स फ्री देवभूमि' विजन को साकार करने की दिशा में दून पुलिस को एक और बड़ी सफलता मिली है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक देहरादून अजय सिंह के निर्देशों के क्रम में जनपद पुलिस द्वारा चलाए जा रहे नशा विरोधी अभियान के तहत थाना रायपुर पुलिस ने मादक पदार्थों की तस्करी में लिप्त एक महिला अभियुक्ता को गिरफ्तार किया है। अभियुक्ता के कब्जे से लगभग चार लाख रुपये मूल्य की 13.27 ग्राम अवैध स्मैक बरामद की गई है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, थाना रायपुर पुलिस टीम द्वारा 7 जनवरी 2026 को क्षेत्र में चेकिंग अभियान चलाया जा रहा था। इसी दौरान मुखबिर से मिली सूचना के आधार पर पुलिस ने रामगढ़ कॉलोनी के पास घेराबंदी कर एक महिला को पकड़ा। तलाशी के दौरान उसके पास से 13.27 ग्राम स्मैक और एक इलेक्ट्रॉनिक तराजू बरामद किया गया। बरामद स्मैक की अंतरराष्ट्रीय बाजार में अनुमानित कीमत करीब चार लाख रुपये बताई जा रही है।

गिरफ्तार अभियुक्ता की पहचान परवीन पत्नी राशीद, निवासी भगत सिंह कॉलोनी, वार्ड संख्या-49, थाना रायपुर, देहरादून (उम्र 30 वर्ष) के रूप में हुई है। पुलिस ने अभियुक्ता के विरुद्ध थाना रायपुर में एनडीपीएस एक्ट के तहत अभियोग पंजीकृत कर लिया है।

पुलिस अधिकारियों का कहना है कि नशा तस्करी के नेटवर्क को तोड़ने के लिए लगातार सघन अभियान चलाया जा रहा है। जनपद पुलिस द्वारा ऐसे अपराधों में लिप्त व्यक्तियों को चिन्हित कर उनके खिलाफ कठोर वैधानिक कार्रवाई की जा रही है। दून पुलिस ने स्पष्ट किया है कि नशा तस्करों के विरुद्ध यह अभियान आगे भी पूरी सख्ती के साथ जारी रहेगा, ताकि देवभूमि को नशा मुक्त बनाया जा सके।

बीएचईएल भूमि पर अवैध निर्माण : प्रशासन ने 14 जनवरी तक हटाने का दिया अल्टीमेटम

पथ प्रवाह, हरिद्वार

बीएचईएल परिसर की सरकारी भूमि पर अनाधिकृत रूप से की गई निर्माण गतिविधि को लेकर प्रशासन ने कड़ा रुख अपनाया है। अधिकारियों द्वारा जारी नोटिस में कहा गया है कि संबंधित व्यक्ति या संगठन द्वारा बिना अनुमति के बनायी गई संरचना अतिक्रमण की श्रेणी में आती है। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि उक्त अवैध संरचना को सात दिनों के भीतर, अर्थात् 14 जनवरी 2026 तक, हटाकर भूमि की पूर्व स्थिति बहाल करना अनिवार्य है। नोटिस में चेतावनी दी गई है कि यदि निर्धारित समय सीमा तक संरचना हटाई नहीं गई, तो लोक परिसर (अनधिकृत अध्यासियों की बे-दखली) अधिनियम, 1971 की धारा 4 की उपधारा (1) और (2) के खण्ड (ख) (द्वद्व) के तहत, जिला प्रशासन और पुलिस प्रशासन की मदद से अनाधिकृत निर्माण को जबरन हटाया जाएगा। अधिकारियों ने यह भी उल्लेख किया कि इस दौरान निर्माण हटाने से संबंधित सभी खर्चे और हर्जाने की जिम्मेदारी संबंधित व्यक्ति या संगठन की होगी। नोटिस में यह भी बताया गया है कि नोटिस अवधि में संबंधित पक्ष अपना पक्ष विभाग के समक्ष रख सकता है।

प्रशासन ने लोगों से अपील की है कि वे सरकारी भूमि पर किसी भी प्रकार के अनधिकृत निर्माण से बचें और जारी नोटिस का गंभीरता से पालन करें।

अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद ने पंचकोशी परिक्रमा का किया भव्य शुभारंभ

पथ प्रवाह, प्रयागराज

तीर्थराज प्रयाग की प्राचीन धार्मिक और पौराणिक परंपराओं के संरक्षण एवं पुनर्स्थापन की दिशा में अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद ने एक ऐतिहासिक पहल करते हुए पंचकोशी परिक्रमा का भव्य शुभारंभ किया। संगम तट पर वैदिक मंत्रोच्चार, विधि-विधान और श्रद्धा के वातावरण में गंगा पूजन के उपरांत परिक्रमा यात्रा का विधिवत आरंभ हुआ। इस अवसर पर संत-महात्माओं के साथ प्रशासनिक और सामाजिक क्षेत्र की कई विशिष्ट हस्तियां उपस्थित रहीं।

शुभारंभ समारोह में मंडलायुक्त (प्रयागराज) सौम्या अग्रवाल, मेलाधिकारी (आईएएस) ऋषिराज सहित विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए। संत समाज की अगुवाई अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद एवं मां मनसा देवी मंदिर ट्रस्ट के अध्यक्ष श्रीमहंत रविंद्र पुरी तथा महामंत्री श्रीमहंत हरी गिरी जी महाराज ने की। संगम तट पर गंगा पूजन के दौरान तीर्थराज प्रयाग की आध्यात्मिक महिमा और सनातन संस्कृति की गौरवशाली परंपराओं का स्मरण किया गया। संतों ने कहा कि मुगल शासनकाल में तीर्थराज प्रयाग सहित देश के अनेक प्रमुख धार्मिक स्थलों पर परिक्रमा जैसी महत्वपूर्ण परंपराओं को बाधित किया गया था। अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद अब इन प्राचीन परंपराओं को पुनर्जीवित कर भावी पीढ़ियों तक धार्मिक और सांस्कृतिक विरासत को सुरक्षित पहुंचाने के लिए संकल्पबद्ध है। पंचकोशी परिक्रमा इसी संकल्प का सशक्त प्रतीक है।

तीर्थराज प्रयाग में आयोजित माघ मेला हिन्दू समाज का अत्यंत महत्वपूर्ण धार्मिक एवं सांस्कृतिक आयोजन माना जाता है। हिन्दू पंचांग के अनुसार माघ माह में लगने वाले इस मेले का मुख्य उद्देश्य गंगा, यमुना और अदृश्य सरस्वती के संगम में स्नान कर पुण्य लाभ अर्जित करना है। माघ मेला न केवल आस्था का केंद्र है, बल्कि यह सांस्कृतिक कार्यक्रमों, पारंपरिक हस्तशिल्प, स्थानीय व्यंजन और लोकजीवन का जीवंत उत्सव भी है।

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार माघ स्नान के फलस्वरूप प्रतिष्ठानपुरी के राजा पुरुरवा को कुरूपता से मुक्ति मिली थी, जबकि भृगु ऋषि के मार्गदर्शन में गौतम ऋषि के श्राप से पीड़ित इंद्र को भी इसी स्नान के महात्म्य से मुक्ति प्राप्त हुई थी। पद्म पुराण में वर्णित है कि माघ स्नान से मनुष्य के शरीर में स्थित उपाताप नष्ट होकर भस्म हो जाते हैं।

पंचकोशी परिक्रमा के शुभारंभ के साथ तीर्थराज प्रयाग में धर्म, आस्था और संस्कृति का अद्भुत संगम देखने को मिला। संतों ने मां भगवती मनसा देवी से सभी के कल्याण की कामना करते हुए परिक्रमा यात्रा को आगे बढ़ाया और 'हर हर महादेव' के जयघोष से वातावरण को भक्तिमय बना दिया।

जिलाधिकारी अंशुल सिंह ने धन-धान्य योजना के प्रभावी क्रियान्वयन पर दिया जोर

पथ प्रवाह, अल्मोड़ा। प्रधानमंत्री धन-धान्य योजना के जनपद स्तर पर प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर जिलाधिकारी अंशुल सिंह ने संबंधित विभागों के अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक आयोजित की। बैठक में जिलाधिकारी ने योजना को एक महत्वपूर्ण जनकल्याणकारी पहल बताते हुए कहा कि इसका मुख्य उद्देश्य कृषकों और आमजन को आर्थिक रूप से सशक्त बनाना है, इसलिए इसके क्रियान्वयन में किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। जिलाधिकारी अंशुल सिंह ने सभी संबंधित विभागों को निर्देश दिए कि योजना से जुड़ी कार्यवाहियों को समयबद्ध रूप से पूर्ण किया जाए, ताकि पात्र लाभार्थियों तक योजना का लाभ सुचारु रूप से पहुंच सके। उन्होंने स्पष्ट किया कि योजना से संबंधित सभी विभाग अपने-अपने विभाग से जुड़ी आवश्यक सूचनाएं निर्धारित समयसीमा के

भीतर पोर्टल पर अनिवार्य रूप से अपलोड करें। किसी भी स्तर पर देरी या उदासीनता पाए जाने पर संबंधित अधिकारियों की जिम्मेदारी तय की जाएगी। उन्होंने कहा कि जिन विभागों की भूमिका प्रधानमंत्री धन-धान्य योजना के क्रियान्वयन में है, वे योजना के सभी प्राविधानों का गहन अध्ययन करते हुए आगामी कार्य योजनाएं तैयार करें। इसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि किसानों और आमजन को योजना का वास्तविक और प्रभावी लाभ मिल सके। जिलाधिकारी अंशुल सिंह ने अधिकारियों से आपसी समन्वय के साथ कार्य करने पर भी जोर दिया, ताकि योजना का संचालन पारदर्शी और परिणामोन्मुखी हो। बैठक में उपजिलाधिकारी सदर संजय कुमार, मुख्य कृषि अधिकारी आनंद गोस्वामी सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

एक नजर

वेनेजुएला अमेरिका को 30-50 मिलियन बैरल तेल देगा : ट्रंप

वाशिंगटन, 07 जनवरी (वार्ता) राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मंगलवार को कहा कि वेनेजुएला अमेरिका को 30 से 50 मिलियन बैरल तेल देगा और यह तेल बाजार दरों पर बेचा जाएगा एवं इससे होने वाली कमाई अमेरिकी सरकार के नियंत्रण में रहेगी। ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पर लिखा, 'मुझे यह घोषणा करते हुए खुशी हो रही है कि वेनेजुएला में अंतरिम सरकार अमेरिका को 30 से 50 मिलियन बैरल उच्च गुणवत्ता वाला तेल सौंपेंगे।' उन्होंने कहा कि इससे होने वाली कमाई से वेनेजुएला और अमेरिकी दोनों नागरिकों को फायदा होगा। ट्रंप ने लिखा, 'यह तेल बाजार मूल्य पर बेचा जाएगा और पैसा मेरे द्वारा अमेरिका के राष्ट्रपति के रूप में नियंत्रित किया जाएगा, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि इसका उपयोग वेनेजुएला और अमेरिका के लोगों के फायदे के लिए किया जाए। उन्होंने ऊर्जा मंत्री क्रिस राइट को बिना किसी देरी के इस योजना को लागू करने का निर्देश दिया। तेल को जहाजों में भरकर सीधे अमेरिकी बंदरगाहों पर उतारने के लिए भेजा जाएगा। यह घोषणा अमेरिकी सेना द्वारा तीन जनवरी को 'बड़े पैमाने पर हमले' के कुछ दिनों बाद हुई है। हमले में वेनेजुएला के राष्ट्रपति मादुरो और उनकी पत्नी सीलिया फ्लोरेस को गिरफ्तार कर गत शनिवार शाम को न्यूयॉर्क लाया गया था और उन्हें ब्रुकलिन में मेट्रोपॉलिटन डिटेंशन सेंटर में रखा गया है। न्यूयॉर्क के दक्षिणी जिले के लिए अमेरिकी जिला न्यायालय में दायर एक नए आरोप पत्र में, जिसे अटॉर्नी जनरल पाम बोंडी ने साझा किया है, आरोप लगाया गया है कि मादुरो 'राष्ट्र-प्रायोजित गिरोह' चलाते थे और देश में नशीले पदार्थों की तस्करी को बढ़ावा देते थे। अमरीकी राष्ट्रपति ने सैन्य अभियान के बाद एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में अमेरिकी तेल कंपनियों द्वारा वेनेजुएला के खराब हो रहे तेल बुनियादी ढांचे में अरबों का निवेश करने की योजनाओं की रूपरेखा बताई। उन्होंने देश के पेट्रोलियम क्षेत्र को मादुरो सरकार के तहत वर्षों के कुप्रबंधन के परिणामस्वरूप 'पूरी तरह से बर्बाद' बताया।

बंगलादेश में फरवरी में होने वाले चुनावों की निगरानी के लिए पर्यवेक्षक नहीं भेजेगा संयुक्त राष्ट्र

न्यूयॉर्क/ढाका। संयुक्त राष्ट्र ने कहा है कि वह बंगलादेश में फरवरी में होने वाले संसदीय चुनावों की निगरानी के लिए पर्यवेक्षकों को वहां नहीं भेजेगा। संयुक्त राष्ट्र महासचिव के प्रवक्ता स्टीफन दुजारिक ने न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र की दैनिक प्रेस ब्रीफिंग में सवालों का जवाब देते हुए कहा कि संयुक्त राष्ट्र को कहीं भी चुनाव पर्यवेक्षक भेजने की आवश्यकता नहीं है, जब तक कि उसे संयुक्त राष्ट्र महासभा या संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की ओर से अधिकृत न किया जाए। संयुक्त राष्ट्र ने आखिरी बार 2001 में बंगलादेश के चुनावों का निरीक्षण करने के लिए पर्यवेक्षकों को भेजा था।

यह पूछे जाने पर कि क्या संयुक्त राष्ट्र 12 फरवरी को होने वाले राष्ट्रीय संसदीय चुनावों का निरीक्षण करने के लिए ढाका में पर्यवेक्षकों को भेजेगा, श्री दुजारिक ने पुष्टि की कि वह ऐसा नहीं करेगा। उन्होने कहा 'नहीं। हम ऐसा नहीं करते। संयुक्त राष्ट्र खुद पर्यवेक्षकों को तब तक नहीं भेजता जब तक कि महासभा या सुरक्षा परिषद से कोई जनादेश न हो। इसलिए अब हम ऐसा नहीं करते हैं। 'उन्होंने हालांकि कहा कि संयुक्त राष्ट्र जुड़ाव के अन्य रूपों पर विचार कर सकता है। उन्होंने कहा, 'मैं आपके लिए यह जांच कर सकता हूं कि क्या संयुक्त राष्ट्र को संबंधित देश कोई तकनीकी सहायता दे रहा है, जो हम अक्सर चुनावों के मामले में करते हैं। '

भारत ने वेनेजुएला की स्थिति पर जतायी चिंता, संवाद और शांतिपूर्ण समाधान का किया आह्वान

लक्जमबर्ग। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने वेनेजुएला के हालिया घटनाक्रम पर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए कहा है कि भारत का मुख्य ध्यान वेनेजुएला के लोगों के कल्याण और उनकी सुरक्षा पर केंद्रित है।

उन्होंने सभी पक्षों और संबंधित हितधारकों से संवाद का रास्ता अपनाने तथा नागरिकों की सुरक्षा के लिए शांतिपूर्ण समाधान खोजने का आह्वान किया। लक्जमबर्ग के उप प्रधानमंत्री एवं विदेश मंत्री जेवियर बेटटेल के साथ बातचीत में श्री जयशंकर ने वेनेजुएला के साथ भारत के दीर्घकालिक संबंधों का उल्लेख करते हुए कहा कि वह वेनेजुएला के घटनाक्रम को लेकर वास्तव में चिंतित हैं और वह इसमें शामिल सभी पक्षों से आग्रह करते हैं कि वे एक साथ बैठें और ऐसी स्थिति पर पहुंचें जो वेनेजुएला के लोगों के कल्याण और सुरक्षा के हित में हो।

भारत के विदेश मंत्रालय ने भी एक बयान जारी कर वेनेजुएला की स्थिति पर गहरी चिंता व्यक्त की है और बातचीत के माध्यम से शांतिपूर्ण समाधान की अपील की है। मंत्रालय ने वेनेजुएला के लोगों के प्रति अपना समर्थन

दोहराया और संकट के समाधान के लिए शांतिपूर्ण संवाद पर जोर दिया। इसके साथ ही मंत्रालय ने भारतीय नागरिकों के लिए एक यात्रा परामर्श भी जारी किया है, जिसमें उन्हें वेनेजुएला की गैर-जरूरी यात्रा से बचने और काराकस के भारतीय दूतावास से संपर्क बनाए रखने का सुझाव दिया गया है।

उल्लेखनीय है कि वेनेजुएला पर हुयी एक अमेरिकी सैन्य कार्रवाई के बाद राष्ट्रपति निकोलस मादुरो और उनकी पत्नी सिलिया फ्लोरेस न्यूयॉर्क के ब्रुकलिन में मेट्रोपॉलिटन डिटेंशन सेंटर में अमेरिकी हिरासत में हैं। उन पर कथित तौर पर नार्को-टेररिज्म यानी नशीली दवाओं के आतंकवादी करतूतों को चलाने में शामिल होने के आरोपों के तहत मुकदमा चलाया जा रहा है। मादुरो दंपति ने सोमवार को नशीले पदार्थों और हथियारों से जुड़े आरोपों में खुद को निर्दोष बताया है।

उच्चतम न्यायालय ने आवारा कुत्तों के मुद्दे पर की सुनवाई; कहा अदालत सभी पक्षों को सुनेगी

नयी दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने बुधवार को आवारा कुत्तों के प्रबंधन एवं जन सुरक्षा से संबंधित मामलों की सुनवाई शुरू करते हुए कहा कि कुत्ते के हमलों के पीड़ितों, पशु प्रेमियों सहित सभी पक्षों की बात सुनी जायेगी। न्यायमूर्ति विक्रम नाथ, न्यायमूर्ति संदीप मेहता और न्यायमूर्ति एनवी अंजारी की पीठ ने कहा 'हम आज सबकी बात सुनेंगे। हम पीड़ितों की बात सुनेंगे, फिर नफरत करने वालों और चाहने वालों, दोनों की बात सुनेंगे।

डीएवी के राष्ट्रीय खेलों में खिलाड़ियों में दिखा गजब का जोश-उत्साह, दमदार प्रदर्शन

पथ प्रवाह, हरिद्वार

डीएवी प्रबन्धकर्तृ समिति, नई दिल्ली के तत्वावधान में हरिद्वार के वंदना कटारिया स्टेडियम और हरिद्वार स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में आयोजित डीएवी विद्यालयों के राष्ट्रीय खेलों में खिलाड़ियों में गजब का जोश–उत्साह दिखाई दिया। सभी आयु वर्ग के खिलाड़ियों ने अपने–अपने मैच जीतने के लिए दमदार प्रदर्शन किया। हरिद्वार की महापौर किरण जैसल और शिवालिक नगर पालिका अध्यक्ष राजीव शर्मा ने विजेताओं को ट्रॉफी और मेडल देकर सम्मानित किया। आईपीएस अधिकारी जितेंद्र चौधरी ने भी जूडो मुकाबले देख खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया।

तीन दिवसीय प्रतियोगिता के दूसरे दिन कई रोमांचक मुकाबले हुए। 18 राज्यों से आए करीब 4000 छात्र-खिलाड़ियों ने विभिन्न खेल स्पर्धाओं में अपनी प्रतिभा के जौहर दिखलाए। हालांकि पहले दिन कुछ मुकाबले देर रात तक चले, जबकि दूसरे दिन भी स्टेडियमों और खेल परिसरों में खेल भावना की अद्भुत झलक देखने को मिली।

जिम्नास्टिक में दिल्ली का दबदबा

देहरादून के महाराणा प्रताप कॉलेज में आयोजित जिम्नास्टिक प्रतियोगिताओं में खिलाड़ियों ने संतुलन, शक्ति और लय का बेहतरीन प्रदर्शन किया। अंडर-14 ऑलराउंड व्यक्तिगत में दिल्ली के शिवांग शर्मा ने स्वर्ण, हरियाणा के जश्न ने रजत और पंजाब के सृजल तिवारी ने कांस्य पदक जीता। टीम चैंपियनशिप में दिल्ली प्रथम, हरियाणा द्वितीय और झारखण्ड तृतीय रहा। अंडर-17 ऑलराउंड में दिल्ली के तुषार टुटेजा ने गोल्ड, पंजाब के लविथ वर्मा ने सिल्वर और हरियाणा के हर्ष ने ब्रॉन्ज पदक जीता। अंडर-19 ऑलराउंड में हरियाणा के रूद्र प्रताप सिंह वर्मा ने स्वर्ण पदक अपने नाम किया। सभी विजेताओं को मेडल और ट्रॉफी देकर सम्मानित किया गया।

जूडो में रोमांचक मुकाबले

जूडो स्पर्धाओं में विभिन्न भार वर्गों में खिलाड़ियों ने दमखम दिखाया। अंडर-17 वर्ग में उत्तराखण्ड, दिल्ली, हरियाणा और पंजाब के खिलाड़ियों ने कई वर्गों में पदक जीते। हल्के से लेकर भारी भार वर्ग तक मुकाबले अत्यंत संघर्षपूर्ण रहे। विजेताओं को मेडल और ट्रॉफी प्रदान कर सम्मानित किया गया।

क्रिकेट, टेनिस और हैंडबॉल की झलक

क्रिकेट में अंडर-14 क्वार्टर फाइनल में दिल्ली ने राजस्थान को 8 विकेट से हराया। अंडर-17 सेमीफाइनल मुकाबले उत्तराखण्ड बनाम यूपी खेले जा रहे हैं। लॉन टेनिस अंडर-19 में चंडीगढ़ बनाम पंजाब का फाइनल मुकाबला जारी रहा। हैंडबॉल में अंडर-19 में दिल्ली ने पश्चिम बंगाल को, अंडर-17 में हरियाणा ने उत्तर प्रदेश को पराजित किया।

बैडमिंटन में जबरदस्त प्रतिस्पर्धा

बैडमिंटन की अंडर-14, 17 और 19 वर्ग की टीम एवं व्यक्तिगत स्पर्धाओं में पंजाब, दिल्ली, हरियाणा, झारखण्ड, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखण्ड की टीमों ने शानदार जीत दर्ज की। प्री-क्वार्टर फाइनल और क्वार्टर फाइनल मुकाबलों में खिलाड़ियों ने तकनीक और फिटनेस का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया।

स्किपिंग रोप, कबड्डी और शतरंज

स्किपिंग रोप में अंडर-14, 17 और 19 वर्गों में स्पीड होप, स्पीड स्प्रिंट और स्पीड एंड्यूरेंस स्पर्धाओं में पंजाब, झारखण्ड, हरियाणा और हिमाचल प्रदेश के खिलाड़ियों ने बाज़ी मारी। कबड्डी में अंडर-19, 17 और 14 वर्गों के क्वार्टर व सेमीफाइनल मुकाबले बेहद रोमांचक रहे, जिनमें हरियाणा, पंजाब, यूपी और छत्तीसगढ़ ने प्रभावी प्रदर्शन किया। शतरंज में अंडर-19 में गुजरात और महाराष्ट्र संयुक्त रूप से प्रथम रहे, जबकि अंडर-17 में दिल्ली और अंडर-14 में हिमाचल प्रदेश की टीम शीर्ष पर रही।

योग, स्क्वैश और सम्मान समारोह

योग प्रतियोगिताओं में पश्चिम बंगाल, हरियाणा, बिहार और दिल्ली के खिलाड़ियों ने टीम व व्यक्तिगत वर्गों में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया।

स्क्वैश अंडर-19 फाइनल में हरियाणा ने झारखण्ड को पराजित कर खिताब जीता। खेल प्रतियोगिता के आयोजक और डीएवी सेंटेनरी स्कूल के प्रधानाचार्य मनोज कुमार कपिल प्रतियोगिता स्थलों की सुरक्षा व्यवस्थाओं का जायजा लेते रहे। खिलाड़ियों का मनोबल बढ़ाते दिखे। जबकि एआरओ अल्पना शर्मा ने लगातार दूसरे दिन भी खिलाड़ियों का उत्साहबर्धन किया और तमाम व्यवस्थाओं को जांचा परखा। बीएम डीएवी स्कूल की प्रधानाचार्य लीना भाटिया प्रतियोगिता के आयोजन को सफल बनाने में जुटी रही। डीएवी का समूचा स्टॉफ खेल प्रतियोगिता की व्यवस्थाओं में लगा है। गुरूवार को फाइनल मुलाबले खेले जायेंगे।

कृषि अपशिष्ट को देश का एक उपयोगी राष्ट्रीय संसाधन बनाया जा सकता - नितिन गडकरी

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने कहा है कि खेतों में बचने वाले कृषि अपशिष्ट को देश का एक उपयोगी राष्ट्रीय संसाधन बनाया जा सकता है। गडकरी ने यह बात बुधवार को वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान परिषद (सीएसआईआर) के टेक्नोलॉजी ट्रांसफर सेरेमनी में कही। गडकरी ने कहा कि बायो-बिटुमेन बनाना विकसित भारत 2047 के सपने को पूरा करने की दिशा में एक बड़ा कदम है। खेती से निकलने वाले कचरे का उपयोग करने से खेतों में पराली जलाने से होने वाला प्रदूषण कम होगा और पुनः उपयोग वाली अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी।

उन्होंने कहा कि यदि सड़कों में 15 प्रतिशत बायो-बिटुमेन मिलाया जाए, तो भारत को करीब 4,500 करोड़ रुपए की विदेशी मुद्रा की बचत हो सकती है। इससे देश की आयातित कच्चे तेल पर निर्भरता भी कम होगी।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि आज भारत ने सड़क निर्माण के क्षेत्र में एक ऐतिहासिक उपलब्धि प्राप्त की है। देश दुनिया का पहला देश बन गया है जिसने बायो-बिटुमेन का व्यावसायिक उत्पादन शुरू किया है। उन्होंने इस उपलब्धि के लिए वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान परिषद के वैज्ञानिकों को बधाई दी और सहयोग के लिए राज्य मंत्री जितेंद्र सिंह का धन्यवाद किया।

गडकरी ने कहा कि यह नई तकनीक किसानों को सशक्त बनाएगी, गांवों में रोजगार के नए अवसर पैदा करेगी और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करेगी।

उन्होंने बताया कि चावल की पराली से बने जैव बिटुमेन का सफल परीक्षण किया गया है, जो पेट्रोल से बने बिटुमेन से बेहतर साबित हुआ है। इससे पराली जलाने की समस्या भी कम होगी।

तुर्कमान गेट ध्वस्तीकरण अभियान के दौरान झड़प, दिल्ली पुलिस ने दस लोगों को हिरासत में लिया

नयी दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने तुर्कमान गेट इलाके में ध्वस्तीकरण अभियान के दौरान हुई हिंसक झड़पों के बाद 10 लोगों को हिरासत में लेकर मामला दर्ज किया है। यह घटना बुधवार तड़के फ़ैज़-ए-इलाही मस्जिद के पास हुई।

यह कार्रवाई नगर निगम दिल्ली (एमसीडी) द्वारा दिल्ली उच्च न्यायालय के आदेश के अनुपालन में की गयी, जिसका उद्देश्य रामलीला मैदान की 400 गज भूमि पर बने अवैध ढांचे को हटाना था।

अधिकारियों के अनुसार, मंगलवार और बुधवार की दरम्यानी रात ध्वस्तीकरण के दौरान उग्र भीड़ ने पुलिस और एमसीडी टीम पर पत्थर और ईंटें फेंकी। मौके से सामने आए वीडियो में कुछ लोग पुलिसकर्मियों पर हमला करते दिखाई दिए। हालात को काबू में करने के लिए पुलिस को लाठीचार्ज करना पड़ा और आंसू गैस के गोले दागे गए। इसके बाद अतिक्रमित क्षेत्र को खाली करा लिया गया।

मध्य रेंज के संयुक्त पुलिस आयुक्त मधुर वर्मा द्वारा जारी बयान में कहा गया कि ध्वस्तीकरण से पहले कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए व्यापक इंतजाम किए गए थे। पूरे इलाके को नौ उप-क्षेत्रों में विभाजित किया गया था, जिनमें प्रत्येक की निगरानी एक वरिष्ठ अधिकारी कर रहा था। शांति बनाए रखने के लिए अमन समिति सहित स्थानीय हितधारकों के साथ पूर्व में समन्वय बैठकें भी की गयी थीं।

बयान में बताया गया कि ध्वस्तीकरण के

दौरान कुछ शरारती तत्वों ने पत्थरबाजी कर माहौल बिगाड़ने की कोशिश की, लेकिन स्थिति को समय रहते नियंत्रित कर लिया गया। पुलिस ने न्यूनतम और संतुलित बल प्रयोग करते हुए हालात पर काबू पाया और बिना किसी बड़े टकराव के सामान्य स्थिति बहाल कर दी। दिल्ली पुलिस ने कहा कि वह न्यायालय के निर्देशों को कानून के दायरे में रहकर और संवेदनशीलता के साथ लागू करने तथा सार्वजनिक व्यवस्था बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध है।

वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों ने हिरासत में लिए गए लोगों में से तीन की पहचान मोहम्मद आरिब (25), मोहम्मद कैफ (23) और मोहम्मद काशिफ (25) के रूप में की है। सभी तुर्कमान गेट निवासी हैं। एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, 'वीडियो फुटेज के आधार पर अन्य पत्थरबाजों की पहचान की जा रही है और उन्हें भी गिरफ्तार किया जाएगा। '

मामले में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धाराएं 221, 132, 121, 191(2), 191(3), 223(ए), 3(5) तथा सार्वजनिक संपत्ति नुकसान निवारण अधिनियम, 1984 की धारा-3 के तहत प्राथमिकी दर्ज की गयी है। अग्रिम जांच जारी है।

स्वामी/प्रकाशक वीरेन्द्र सिंह ने मुद्रक प्रमोद कुमार, जय माँ गंगा प्रिन्टर्स, राजराणा कॉम्पलैक्स निकट खाद गोदाम, जमालपुर कलां, ज्वालापुर, हरिद्वार (उत्तराखण्ड) से मुद्रित कराकर, मुख्य कार्यालयः 40 शांतिपुरम कॉलोनी जगजीतपुर, कनखल, हरिद्वार, उत्तराखंड 249408 (उत्तराखण्ड) से प्रकाशित किया। वीरेन्द्र सिंह (सम्पादक) 9411111733, डॉ सुशील शर्मा(उप संपादक) 9837906777 किसी भी वाद विवाद का निपटारा हरिद्वार में होगा। वेबसाईट- www.pathpravah.com